शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 157 | गुवाहाटी | रविवार, 5 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत में ग्रामीण गरीबी घटकर पांच प्रतिशत से भी कम हुई : पीएम — पेज 2
स्वास्थ्य मंत्री सिंघल ने स्वास्थ्य निदेशालय की संगठनात्मक संरचना और... — पेज 3
कांग्रेस ने अव्यवहारिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का... — पेज 5
दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट, पंत का अर्धशतक — पेज 7

असम व्यापार शिखर सम्मेलन

मुंबई में उद्योग जगत के नेताओं से मिलेंगे सीएम डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि वह पूर्वोत्तर राज्य में आगामी बिजनेस कॉन्क्लेव के लिए सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए उद्योग जगत के नेताओं से मिलने के लिए अगले तीन दिनों तक मुंबई में रहेंगे। वह असम में संभावित निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए एक रोड शो में भी भाग लेंगे। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि अगले तीन दिनों तक मैं मुंबई में रहूंगा, जहां मैं भारतीय उद्योग जगत के नेताओं से मिलूंगा और आगामी #एडवांटेजअसम 2.0 शिखर सम्मेलन के लिए आपसी सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाऊंगा। मैं असीम अवसरों की भूमि असम में संभावित निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए रोड शो में भी भाग लूंगा। मुख्यमंत्री ने हाल ही में कहा था कि 24-25 फरवरी को होने वाले एडवांटेज असम सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। शर्मा ने कहा था कि शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो नवाचार का समर्थन करे, पूंजी तक आसान पहुंच प्रदान करे, नौकरशाही बाधाओं को दूर करे ताकि असम में व्यवसायों और उद्योगों की स्थापना के लिए माहौल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। शर्मा ने दिसंबर में भूटान का दौरा किया था और शिखर सम्मेलन के लिए एक रोड शो में भाग लिया था। अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन के दौरान भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी गुवाहाटी आएंगे। उन्होंने कहा कि असम को वैश्विक निवेश गंतव्य मानचित्र पर लाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, मलेशिया, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में इसी तरह के रोड शो की योजना बनाई जा रही है। मैं संभावित निवेशकों को असीम अवसरों की भूमि – असम में आमंत्रित करने के लिए रोड शो में भी भाग लूंगा। असम की सांस्कृतिक संपदा को उजागर करने के लिए, शिखर सम्मेलन में भव्य झुमुर नृत्य प्रदर्शन होगा, जिसमें 7,500 से अधिक नर्तक और कलाकार शामिल होंगे। यह पहल चाय -शेष पृष्ठ दो पर

कुंभ में पहली बार सत्रिया संस्कृति की झलक दिखेगी

प्रयागराज/गुवाहाटी। पहली बार, असम की सत्रिया संस्कृति उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में प्रसिद्ध कुंभ मेले में मुख्य भूमिका में होगी। माजुली के ऐतिहासिक औनियाती सत्र की एक टीम असम का प्रतिनिधित्व करेगी, जो भारत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक समागमों में से एक में अपनी अनूठी वैष्णव विरासत का प्रदर्शन करेगी। यह दल प्रतिष्ठित अप्सरा नृत्य और हिया नाम भावना के साथ-साथ एक संक्षिप्त राम विजय भावना प्रदर्शन भी प्रस्तुत करेगा। प्रतिनिधिमंडल 30 जनवरी को अपनी यात्रा शुरू करने वाला है और 8-10 दिनों तक प्रयागराज में रहेगा, पवित्र कार्यक्रम में भाग लेने के बाद 8 फरवरी को वापस लौटेगा। औनियति सत्र के सत्राधिकारी पीतांबर देव गोस्वामी ने कहा कि यह पहली बार है जब हम कुंभ मेले में अपनी संस्कृति का प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने अपनी सत्रिया परंपरा के सार को उजागर करने के लिए हिया नाम भावना, अप्सरा नृत्य और एक छोटी राम विजय भावना तैयार की है। 1653 में स्थापित, औनियाती सत्र असमिया इतिहास और संस्कृति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसकी स्थापना इसके प्रथम सत्राधिकार, निरंजन देव गोस्वामी के मार्गदर्शन में की गई थी, और इसके वर्तमान प्रमुख, पीताम्बर देव गोस्वामी के नेतृत्व में यह लगातार फल-फूल रहा है। सत्र अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए व्यापक रूप से प्रसिद्ध है, जिसमें नटुवा, सूत्राधिकार, ओजापाली, चाली नृत्य, माटी अखाड़ा और गायन-बयान प्रदर्शन शामिल हैं। महाकुंभ -शेष पृष्ठ दो पर

आईएएफ ने गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में उद्योग आउटरीच कार्यक्रम 2025 की योजना बनाई

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक उद्योग आउटरीच कार्यक्रम 25 (आईओई25) आयोजित करने जा रही है। यह कार्यक्रम दो दिनों के लिए तैयार किया गया है, जिसका पहला चरण 13 जनवरी को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण 15 जनवरी को गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में आयोजित किया जाएगा। आईओई25 रक्षा उद्योग के भागीदारों, नवप्रवर्तकों और स्टार्ट-अप्स को भारतीय वायु सेना से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा, जो रक्षा में नवाचार -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा सी कंपनी नाम का नया संगठन बनाने की फिराक में थे उग्रवादी, गिरफ्तार

दुलियाजान। देश विरोधी तत्व लगातार माहौल बिगाड़ने की कोशिशों में लगे रहते हैं। लेकिन, उनसे भी अधित सतर्क रहती हैं सुरक्षा एजेंसियां जो कि इनके मंसूबों को लगातार नाकाम कर रही हैं। ऐसा ही एक मामला असम से सामने आया है, जहां कुछ उग्रवादी संगठन अशांति फैलाने के लिए *अल्फा सी कांपनी* नाम का उग्रवादी संगठन बनाने की फिराक में थे। लेकिन, उससे पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने कई उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध उग्रवादियों की पहचान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा के ही संदिग्ध कैडरों के तौर पर हुई है। बताया जाता है कि ये सभी नया गुट बनाने की फिराक में थे। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए हैं। इन सभी को दुलियाजान से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की ओर से कहा गया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय को समझने वाला कार्य सिद्ध करता है।

– **आचार्य चाणक्य**

भारत में विदेशी निवेश ने तोड़ा रिकार्ड

आर्थिक विकास में एक ट्रिलियन डॉलर का मील पत्थर किया पार

नई दिल्ली। भारत ने एक महत्वपूर्ण आर्थिक मील का पत्थर हासिल करते हुए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में अप्रैल 2000 से अब तक यूएसडी 1 ट्रिलियन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि निवेश के लिए देश के बढ़ते आकर्षण को उजागर करती है, जो इसके मजबूत आर्थिक विकास प्रगतिशील सुधारों और वैश्विक मंच पर बढ़ते बाजार की क्षमता को दर्शाती है। अप्रैल 2014 से सितंबर 2024 के बीच, भारत ने यूएसडी 709 बिलियन का एफडीआई आकर्षित किया, जो अब तक प्राप्त कुल विदेशी निवेश का लगभग 69 फीसदी है। यह उछाल इस बात का संकेत है कि भारत न केवल निवेशकों के लिए अपनी अपील बनाए रखने में सक्षम है, बल्कि वैश्विक निवेश के दृष्टिकोण से अपनी स्थिति को भी महत्वपूर्ण रूप से मजबूत किया -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में संविदा शिक्षकों को नियमित करने की तैयारी पूरी

गुवाहाटी। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने शनिवार को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि असम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने में अग्रणी के रूप में उभर रहा है। 26 मृतक शिक्षकों के परिवारों को वित्तीय सहायता वितरित करने के लिए आयोजित एक समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने एनईपी को अपनाने के लिए असम के नेतृत्व और सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर दिया। पेगु ने कहा कि हम एनईपी को लागू करने में सबसे आगे हैं, जिसके लिए साहस और प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा विभाग इसे अक्षरश: और भावना से लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पेगू ने 13 डीआईईटी व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और सेवा के दौरान दिवंगत हुए शिक्षकों के 26 परिवारों को वित्तीय अनुदान दिया। असमानताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत प्राथमिक शिक्षकों को सेवा के दौरान मृत्यु होने पर 5 लाख का अनुदान मिलता है, जबकि माध्यमिक संविदा शिक्षकों को इससे बाहर रखा गया है। मुख्यमंत्री से उनकी अपील के बाद, इस अंतर को दूर करने के लिए सीएम के विवेकाधीन बजट से धन का उपयोग किया गया। शिक्षक प्रशिक्षण एनईपी कार्यान्वयन का केंद्रबिंदु है। पेगु ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटीएस) को सुदृढ़ करने की पहल की घोषणा की, जिसमें नव निर्मित जिलों में डीआईईटीएस की स्थापना भी शामिल है। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) ने व्याख्याता नियुक्तियों में पारदर्शिता -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बांदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिरा चार जवान शहीद

बांदीपोरा (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार जवानों का बलिदान हो गया, जबकि दो घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जिले के एसके पायीन इलाके में हुई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर पास की -शेष पृष्ठ दो पर

एमपी में सेप्टिक टैंक में मिले चार लोगों के शव

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली से दिलदहला देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक घर के सेप्टिक टैंक से 4 लोगों के शव मिले हैं। एक साथ चार शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस भी सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच गई थी। शवों को सेप्टिक टैंक से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों में दो लोगों की पहचान तो हो गई है लेकिन दो लोगों की पहचान अभी की जा -शेष पृष्ठ दो पर

पानीपुरी वाले को जीएसटी विभाग ने भेजा 40 लाख का नोटिस

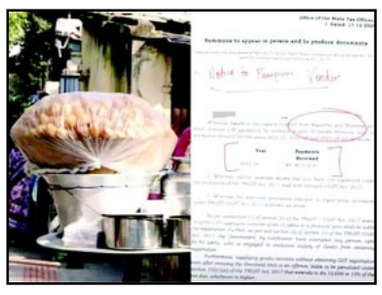

नई दिल्ली। तमिलनाडु के एक पानीपुरी विक्रेता की सैलरी ने सबको हैरान कर दिया। खासकर इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब पानीपुरी विक्रेता को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नोटिस भेजा गया है। इसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। 17 दिसंबर, 2024 को जारी एक समन का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे तमिलनाडु माल एवं सेवा कर अधिनियम और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 70 के प्रावधानों के -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा को लेकर खड़गे ने पीएम मोदी को घेरा, कहा–

भाजपा वह माचिस है, जिसने मणिपुर को जला दिया

नई दिल्ली। मणिपुर में ताजा हिंसा भड़कने के बाद कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह *राजधर्म* का पालन नहीं करने की संवैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सीमावर्ती राज्य को उबलते रहने में भाजपा का निहित स्वार्थ है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि भाजपा वह माचिस है जिसने मणिपुर को जला दिया! उन्होंने कहा कि 600 दिन से अधिक समय बीत चुका है और सैटेलाइट तस्वीरों के माध्यम से मीडिया रिपोर्टों से अब पता चला है कि राज्य में उन्होंने नवीनतम हिंसा के बारे में एक समाचार रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी जी, मणिपुर में आपकी पिछली यात्रा जनवरी 2022 में भाजपा के लिए वोट मांगने के लिए थी। राज्य में 3 मई 2023 को हिंसा भड़की। -शेष पृष्ठ दो पर

मोबाइल का विवेक पूर्ण उपयोग करना चाहिए : भागवत

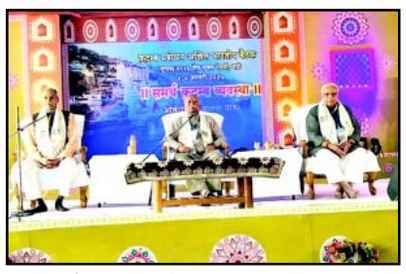

खंडवा (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मध्य प्रदेश के प्रवास के दूसरे दिन प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर की नगरी में पहुंचे और यहां संघ की कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक में शामिल हुए। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने समर्थ कुटुंब व्यवस्था पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मोबाइल का विवेक पूर्ण उपयोग करना चाहिए। घर में सभी सदस्यों को मोबाइल अलग रख कर आनंद पूर्वक चर्चा करना -शेष पृष्ठ दो पर

चमत्कार : सच साबित हुई महाभारत की घटना, दुनिया हो रही हैरान

बीजिंग। महाभारत और रामायण में वर्णित प्राचीन चिकित्सा और सर्जरी के चमत्कारी किस्से अब वास्तविकता में बदलते दिख रहे हैं। चीन ने हाल ही में चिकित्सा जगत में एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छूता है। हमने महाभारत और रामायण में अक्सर सुना है कि उस युग में उन्नत चिकित्सा पद्धतियां थीं। अर्जुन की मृत्यु के बाद उन्हें प्लास्टिक सर्जरी के जरिए पुनर्जीवित किया गया, लक्ष्मण का इलाज रावण के वैद्य सुषेण ने किया, और भगवान गणेश का सिर पुन: लगाया गया। ये कहानियां प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति की उन्नति का प्रमाण हैं। चीन ने हाल ही में सैटेलाइट और रोबोट का उपयोग करते हुए 1.5 लाख किलोमीटर दूर से अल्ट्रा-रिमोट सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। चीन के पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जनरल अस्पताल के डॉक्टरों ने एपस्टार-6डी ब्रॉडबैंड सैटेलाइट की मदद से तिब्बत, युन्नान और हैनान में पांच मरीजों की सर्जरी की। इन ऑपरेशनों में लीवर, गॉलब्लैडर और अग्न्याशय के रोगों का -शेष पृष्ठ दो पर

आज से यात्री कर सकेंगे भारत की सबसे तेज ट्रेन में सफर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानि रविवार को साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक के लिए नमो भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। वर्तमान में साहिबाबाद और मेरठ साउथ के बीच 9 स्टेशनों के साथ कॉरिडोर का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा परिचालित है। इस उद्घाटन के साथ, नमो भारत कॉरिडोर का परिचालित खंड 55 किलोमीटर तक विस्तारित हो जाएगा, जिसमें कुल 11 स्टेशन होंगे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को एनसीआर के प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसे में आरआरटीएस को दिल्ली के चारों ओर के शहरों से जोड़ा जाएगा। इससे न केवल लोगों के समय की बचत होगी बल्कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में भी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत में ग्रामीण गरीबी घटकर पांच प्रतिशत से भी कम हुई : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास की अनदेखी करने और गरीबी हटाओ के केवल नारे लगाने को लेकर पिछली सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 से वह ग्रामीण भारत की सेवा में जुटे हैं और उसी का परिणाम है कि आज ग्रामीण भारत में ग्रामीण गरीबी 5 प्रतिशत से नीचे आ गयी है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में शनिवार को ग्रामीण भारत महोत्सव-2025 के उद्घाटन के बाद कहा कि ग्रामीण भारत महोत्सव के साथ वर्ष की शानदार शुरुआत भारत की विकास यात्रा को दर्शाती है और एक विशिष्ट पहचान बनाती है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और अन्य योगदानकर्ताओं को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एसबीआई की ताजा शोध रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कल ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट आई है, जिसके अनुसार 2012 में भारत में ग्रामीण गरीबी करीब 26 प्रतिशत थी। जबकि 2024 में ग्रामीण गरीबी घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कांग्रेस के गरीबी हटाओ के नारे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सालों से गरीबी हटाओ के नारे सुनाई देते रहे लेकिन अब वास्तव में गरीबी कम हो गई है। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने एससी-एसटी-ओबीसी की आवश्यकताओं की ओर ध्यान नहीं दिया। गांव से पलायन होता रहा, गरीबी बढ़ती रही, गांव और शहर के बीच की खाई बढ़ती रही। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। जो इलाके दशकों से विकास से वंचित थे, अब उन्हें बराबरी का हक मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब काम (गांवों को सशक्त बनाने का) पहले की सरकारों में भी तो हो सकते थे...मोदी का इंतजार करना पड़ा क्या? आजादी के दशकों बाद भी हमारे देश के गांव बुनियादी जरूरतों से वंचित थे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जातियों की ज़्यादातर आबादी गांवों में रहती है। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने उनकी जरूरतों को नजरअंदाज किया लेकिन मोदी इन गांवों को सशक्त बना रहे हैं और उन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो पहले उपेक्षित थे। उन्होंने कहा कि वह 2014 से ग्रामीण भारत की सेवा में लगे हैं। गांव के लोगों को गरिमापूर्ण जीवन देना सरकार की प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य गांवों को विकास और अवसर के जीवंत केंद्रों में बदलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को 3 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है। पिछले 10 वर्षों में कृषि ऋण 3.5 गुना बढ़ाया गया है। देश में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 1.15 करोड़ ग्रामीण महिलाएं *लखपति दीदी* बन चुकी हैं। हमारा विजन भारत के गांव के लोग सशक्त बनें, उन्हें गांव में ही आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले, उन्हें पलायन न करना पड़े, गांव के लोगों का जीवन आसान हो, इसलिए हमने गांव-गांव में मूलभूत सुविधाओं की गारंटी का अभियान चलाया। गांव के हर वर्ग के लिए विशेष नीतियां बनाई हैं।

गोगामुख में मुख्यमंत्री के विशेष जांच प्रकोष्ठ का छापा

धेमाजी (हिंस)। मुख्यमंत्री के विशेष जांच प्रकोष्ठ ने शिवसागर के बाद धेमाजी जिले के गोगामुख स्थित डीके रोड के एनसी नेपाली गांव में अश्विनी कुमार दलै के आवास पर छापा मारा। अश्विनी कुमार दलै, जो पहले शिवसागर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे, के पुराने आवास पर यह छापेमारी की गई। जांच दल ने वहां मौजूद एक महिला से पूछताछ की और उनके सामने संपत्तियों का विवरण प्रस्तुत किया। जांच दल ने अश्विनी कुमार दलै की संपत्तियों और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच की और संबंधित लोगों से पूछताछ की। मामले में आगे की जांच जारी है।

ट्रैक्टर दुर्घटना, एक मजदूर की मौत

माजुली (हिंस)। माजुली के फूलनी में बोनगांव रोड पर शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन के पास एक दर्दनाक ट्रैक्टर दुर्घटना हुई। इस हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम जोसेफ कलाई बताया गया है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब ट्रैक्टर पर अधिक मात्रा में लोहे की छड़ें लदी हुई थीं और ट्रेलर पलट गया। ट्रेलर पर तीन मजदूर सवार थे, जिनमें से दो ने कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन जोसेफ कलाई ट्रेलर से कूदने के दौरान लोहे की छड़ों के नीचे आ गया। दुर्घटना के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात महिला का शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में एक अज्ञात महिला का शव पाया गया। महिला कौन है, कहां से आई हैं इसका कुछ भी पता नहीं चला। इस घटना की जानकारी भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने भी मृत महिला की पहचान नहीं की है। महिला के शव का पोस्ट मॉर्टम करने के बाद पहचान के लिए जीएमसीएच के मुर्दाघर में रखा गया है।

पूसीरे ने रेल सेवाएं बाधित करने वाले आंदोलनकारियों को कानूनी नोटिस भेजा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने रेल सेवाएं बाधित करने वाले आंदोलनकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है। 11 दिसंबर, 2024 को ग्रेटर कूच बिहार पीपुल्स एसोसिएशन (जीसीपीए) द्वारा अलीपुरद्वार मंडल के जोराई रेलवे स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन के कारण रेल सेवाएं प्रभावित हुईं थी। जोराई स्टेशन परिसर में 5000 से अधिक आंदोलनकारी एकत्र हुए और सभी लाइनें बंद कर दी थीं। रेल रोको आंदोलन के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाना पड़ा। ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हुई थी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि आंदोलनकारियों ने उपद्रव मचाया और रेलवे के कार्य में बाधा डाली। आंदोलनकारियों ने रेल परिवहन में बाधा उत्पन्न कर यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाला और रेलवे परिसर में अवैध प्रवेश कर कानून का उल्लंघन किया है। ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने पीए सिस्टम, लाउडस्पीकर के माध्यम से कई बार आंदोलनकारियों को रोकने की कोशिश की और आंदोलन वापस लेने का निर्देश दिया।

ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में गैंडे की मृत्यु

ओरांग (हिंस)। नए साल की शुरूआत में ओरांग राष्ट्रीय उद्यान से एक बुरी खबर आई है। उद्यान के भीतर एक वयस्क गैंडे का शव बरामद हुआ। ओरांग वन विभाग ने आज बताया है कि निसिलामारी वन शिविर के पास रोज़ाना की गश्त करते समय गश्ती दल ने मृत गैंडे को देखा। गैंडे के शव के साथ सींग भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच से यह पता चला है कि गैंडे की मृत्यु स्वाभाविक कारणों से हो सकती है फिलहाल वन विभाग इसकी जांच में जुटा हुआ है।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, छह की मौत

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। आगे की जांच जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक, फैक्ट्री से अब तक 6 शव बरामद हो चुके हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अग्निशमन विभाग ने सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की, वर्तमान में बचाव कार्य में लगा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच चल रही है और दुर्घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हाल ही में विरुधुनगर जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने पटाखा फैक्ट्री मालिकों से ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करने का आग्रह किया। सीएम स्टालिन ने श्रमिकों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि उन्होंने फैक्ट्री मालिकों को सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निरीक्षण और आश्वासन के बावजूद जिले में ऐसी घटनाएं बंद नहीं हो रही हैं। विरुधुनगर, विशेष रूप से शिवकाशी को तमिलनाडु की आतिशबाजी राजधानी के रूप में जाना जाता है, राज्य की अधिकतर पटाखा फैक्ट्रियां वहीं स्थित हैं। विरुधुनगर जिले और पड़ोसी गांवों में 300 से अधिक फैक्ट्रियां इस प्रकार के पटाखों का उत्पादन करती हैं। पटाखा उद्योग विरुधुनगर में 1,150 कारखानों में लगभग चार लाख श्रमिकों को रोजगार देता है, अकेले शिवकाशी में भारत के पटाखा उत्पादन का 70 प्रतिशत हिस्सा है। 2024 में, विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखानों में 17 दुर्घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप 54 मौतें हुईं। इससे पहले तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में पटाखा फैक्ट्रियों में आग लगने की दो घटनाओं में 14 लोगों की मौत हो गई थी। पहली घटना रंगापलयम इलाके की थी। पुलिस ने बताया था कि पटाखों के नमूना परीक्षण के दौरान यह हादसा हुआ था। इस घटना में 12 महिलाओं समेत 13 लोगों की मौत हो गई थी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों के लिए तीन लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए एक लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा की थी। पुलिस, दमकल और बचाव सेवा कर्मी तथा स्थानीय लोग मिलकर आग बुझाने और पीड़ितों को बचाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने फैक्ट्रियों के पास वैध लाइसेंस था या इसकी भी जांच की। पुलिस ने बताया था कि रंगापलयम की पटाखा फैक्ट्री में घटनास्थल से सात जले हुए शव मिले हैं और उनकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। वहीं एक दिन पहले तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक एलपीजी टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद टैंकर से गैस का रिसाव होने लगा।

पृष्ठ एक का शेष

मुंबई में उद्योग जगत ...

जनजाति समुदायों की समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाती है और हाल ही में असम के सबसे बड़े बिहू नृत्य प्रदर्शन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने के बाद की गई है। 2018 में प्रथम एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन में मुकेश अंबानी, रतन टाटा जैसे औद्योगिक दिग्गजों और 23 देशों के राजनयिकों और निवेशकों के प्रतिनिधिमंडल सहित उल्लेखनीय प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इसने भारत में एक रणनीतिक निवेश गंतव्य के रूप में असम की क्षमता को रेखांकित किया, विशेष रूप से *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* के तहत दक्षिण पूर्व एशिया के साथ इसकी निकटता के कारण।

कुंभ में पहली...

मेला, जो हर 12 साल में अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होता है, लाखों लोगों के लिए एक आध्यात्मिक समागम के रूप में कार्य करता है, जो भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह असम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि इसकी सत्रिया संस्कृति व्यापक दर्शकों तक पहुंचती है, जो इस क्षेत्र की गहरी आध्यात्मिक और कलात्मक विरासत का प्रतीक है।

आईएएफ ने गुवाहाटी...

की जरूरत और एक आत्मनिर्भर रक्षा परितंत्र के निर्माण की दिशा में भारत सरकार के प्रयासों और दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेगा। ऑनलाइन चरण के दौरान प्रमुख सत्रों में आईएएफ के एयरोस्पेस डिजाइन निदेशालय द्वारा आईएएफ की ओर से आत्मनिर्भरता पहल पर एक संक्षिप्त विवरण; रक्षा मंत्रालय के डीआईओ द्वारा आईडीईएक्स योजनाओं, नीतियों एवं प्रक्रियाओं पर एक संक्षिप्त विवरण; डीजीएक्यूए द्वारा गुणवत्ता आश्वासन एवं प्रमाणन प्रक्रियाओं पर प्रस्तुति; सीईएमआईएलएसी द्वारा उड़न योग्यता प्रमाणन प्रक्रिया पर प्रस्तुति और आईएएफ के एयरक्राफ्ट सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट (एएसटीई) द्वारा एयरबोर्न और एविएशन से संबंधित प्रणालियों के लिए प्रमाणन आवश्यकताओं और परीक्षण प्रक्रियाओं का परिचय शामिल है। आईओई25 का दूसरा चरण 15 जनवरी को गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में आयोजित किया जाएगा, जहां ऑपरेटरों के साथ सीधे संपर्क से रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों को परिचालन जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जहां वे अभिनव समाधानों के साथ योगदान दे सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में मौजूद अवसरों की पहचान करके रक्षा उद्योग की भागीदारी को मजबूत करना और भारत के आत्मनिर्भर बनने के रणनीतिक लक्ष्य को हासिल करने में मदद के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करना है। आईओई25 में भाग लेने के लिए https://shorturl.at/6884 पर पंजीकरण किया जा सकता है या आईएएफ के एयरोस्पेस डिजाइन निदेशालय से फोन नंबर 011-23071124 और ईमेल आईडी aero.design@gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अल्फा सी कंपनी नाम...

शुरुआत में उन्होंने कार्रवाई करके अल्फा कैडर बिटुपन गोगोई उर्फ जयंत नाम के उग्रवादी को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में जब पुलिस ने बिटुपन गोगोई को इंटेरोगेट किया तो दो अन्य के बारे में भी पता चला। इन दोनों की पहचान दिरियाल गांव के बोलिन गोगोई उर्फ धोन और दुलियाघाट के पास तेंगाघाट के भरत सजारी के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया है कि गिरफ्तार किए गए उग्रवादी नया गुट बनाने की फिराक में थे। इनके पास से कई राउंड गोला बारूद, आईईडी, एक 7.65 मिमी की पिस्टल के साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेज, 11 मोबाइल फोन और करीब 50,000 रुपए कैश बरामद किया गया है। इसके साथ ही दीमापुर से भी पुलिस ने कई आग्नेयास्त्रों को जब्त किया है। एक उग्रवादी बिटुपन के बारे में पता चला है कि वो अवैध वसूली के रैकेट से भी जुड़ा हुआ था।

आर्थिक विकास में ...

है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भारत का एफडीआई 26 फीसदी बढ़कर यूएसडी 42.1 बिलियन हो गया, जो इसे वैश्विक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। यह एफडीआई वृद्धि केवल देश के बढ़ते आकर्षणता को ही नहीं, बल्कि इसके विकसित हो रहे व्यापार वातावरण, मजबूत नीति ढांचे और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाती है। वर्षों से, एफडीआई ने भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, पूंजी प्रदान करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार अवसरों और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने में योगदान किया है। जैसे-जैसे देश विदेशी निवेश के लाभों का लाभ उठाता है, इसका वैश्विक आर्थिक प्रवृत्तियों को आकार देने में योगदान भी बढ़ता जा रहा है। भारत द्वारा विदेशी निवेश आकर्षित करने में कई इंटरकनेक्टेड कारक प्रमुख रहे हैं, जिनमें प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार, सरकारी नीति सुधार और बेहतर व्यापार वातावरण शामिल हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में भारत की उल्लेखनीय वृद्धि एफडीआई प्रवाह को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कारक रही है। देश की विभिन्न वैश्विक रैंकिंग में प्रगति इसकी विदेशी निवेशकों के लिए बढ़ती आकर्षणता को दर्शाती है। 2024 के विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में भारत ने तीन स्थानों की छलांग लगाई और 40वें स्थान पर पहुंच गया, जो 2021 में 43वें स्थान से ऊपर था। इसी तरह, 2023 के वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत 132 अर्थव्यवस्थाओं में 40वें स्थान पर था, जो 2015 में 81वें स्थान से एक बड़ी छलांग थी। ये रैंकिंग भारत के नवाचार को बढ़ावा देने, तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने और समग्र व्यापार वातावरण में सुधार को दर्शाती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत की वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। 2023 की विश्व निवेश रिपोर्ट के अनुसार, भारत ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए तीसरे सबसे बड़े प्राप्तकर्ता के रूप में उभरा, जिसमें 1,008 ग्रीनफील्ड परियोजना घोषणाएं शामिल हैं। ग्रीनफील्ड परियोजनाएं, जो बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में नए निवेशों को शामिल करती हैं, दीर्घकालिक निवेशक विश्वास का एक प्रमुख संकेतक हैं। इसके अतिरिक्त, देश ने अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में 64त्न की वृद्धि देखी, जिससे यह वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े प्राप्तकर्ता के रूप में उभरा।

राज्य में संविदा शिक्षकों ...

सुनिश्चित की, और इसने अब 13 व्याख्याताओं की नियुक्ति की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 से नियुक्त 8,000 संविदा शिक्षकों की नौकरियों को नियमित करने के प्रयास चल रहे हैं। राज्य पूल और एसएसए श्रेणियों में विभाजित एसएसए के तहत शिक्षकों को भी नौकरी की सुरक्षा और विस्तारित लाभ का आश्वासन दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि एनईपी रचनात्मक और आनंदपूर्ण शिक्षण प्रक्रियाओं पर जोर देती है, जिसमें सांस्कृतिक, पर्यावरण और स्वास्थ्य-केंद्रित गतिविधियां शामिल हैं। पीएम पोषण योजना और अमृत पोषण आंदोलन जैसी पहलों का उद्देश्य छात्रों में पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ाना है। नीति समग्र विकास के लिए खेल और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के महत्व को भी रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि एनईपी ढांचे के तहत 1 लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है, और 2024 तक निरंतर प्रयास की योजना बनाई गई है। पीएम पोषण योजना वर्तमान में 43,219 स्कूलों के 35,841 छात्रों को लाभान्वित कर रही है, जिसका मुख्य ध्यान पोषण और स्वास्थ्य पर है। पेगु ने स्थानीय इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया, जैसे कि असमिया नायक लाचित बरफुकन पर निबंध-लेखन प्रतियोगिताएं। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए जलवायु शिक्षा और जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर भी जोर दिया। पेगु ने समग्र शिक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए समापन किया। शिक्षा किताबों और परीक्षाओं से कहीं आगे जाती है – इसमें समग्र विकास, स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी जिम्मेदारी शामिल है। एनईपी ने इस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की नींव रखी है। मंत्री ने शिक्षकों से गुणोत्सव के प्रथम चरण में सहयोग करने का भी आग्रह किया, जो 6 जनवरी से शुरू होगा। मंत्री ने सर्व शिक्षा अभियान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर एक रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया। कार्यक्रम में एसएसए मिशन निदेशक ओम प्रकाश, शिक्षा सचिव नारायण कोंवर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक ममता होजाई और एससीईआरटी निदेशक निरोदा देवी उपस्थित थीं।

पानीपुरी वाले को ...

तहत जारी किया गया था। इसमें गोलगप्पे बेचने वाले को निजी रूप से उपस्थित होने और डॉक्यूमेंट पेश करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट में दिखाए गए समन में पानी पूरी बेचने वाले को कहा गया है कि रेजरपे और फोनपे से मिली रिपोर्टों के आधार पर, आपको गुड्स या सर्विसेज की बाहरी सप्लाई के लिए यूपीआई पेमेंट हासिल हुए हैं और साल 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए मिले पेमेंट नीचे दिए गए हैं। इसमें 2023-24 में आपको 40 लाख रुपए मिले हुए दिखाए गए हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने अनुमान लगाया कि कर-चोरी नोटिस स्ट्रीट फूड व्यवसायों को विकल्प के रूप में ऑनलाइन भुगतान करने से हतोत्साहित करेगा। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने टिप्पणी की, एक यूजर ने लिखा कि सालाना आय 40 लाख रुपए औसत इंजीनियर या प्रोफेसर की आय से अधिक था। वहीं इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मसालेदार कचौड़ी बेचने वाले एक स्ट्रीट वेंडर पर सालाना 60 लाख रुपए कमाने और कर चोरी करने के आरोप में जीएसटी विभाग ने छापा मारा था। वरिष्ठ कर अधिकारियों ने सड़क किनारे लगे स्टॉलों पर जीएसटी पंजीकरण के बिना नकद लेनदेन करके बड़े पैमाने पर कर चोरी करने का आरोप लगाया है।

भाजपा वह माचिस...

गांव के गांव मिट गए हैं। खड़गे ने कहा कि हाल ही में ताजा हिंसा तब देखी गई जब भीड़ ने कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आपके अक्षम और बेशर्म मुख्यमंत्री ने खेद व्यक्त किया है, लेकिन राज्य में आपकी अनुपस्थिति को सुविधाजनक ढंग से उजागर किया है। खड़गे ने दावा किया कि हम पूरी जिम्मेदारी के साथ दोहरा रहे हैं कि भाजपा के पास इस खूबसूरत सीमावर्ती राज्य को उबलता रखने के लिए कुछ निहित स्वार्थ हैं, जिसमें 250 से अधिक निर्दोष लोग मारे गए हैं और 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं। लोग 20 महीनों से अभी भी शिविरों में रह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करना केंद्र और राज्य सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर को मणिपुर में भारत (ब्लॉक) दलों ने आपसे तीन विशिष्ट और सरल अनुरोध किए थे। 2024 समाप्त होने से पहले मणिपुर का दौरा करें, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। दिल्ली में अपने कार्यालय में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाएं, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। मणिपुर में खुद को सीधे तौर पर शामिल करें, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि आपने ऐसा किया है। खड़गे ने कहा कि यदि आप उपरोक्त में से कुछ भी करते हैं, तो भी आप राजधर्म का पालन न करने की संवैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक शुक्रवार को उस समय घायल हो गए, जब भीड़ ने उनके कार्यालय पर हमला कर दिया। यह हमला कथित तौर पर इंफाल पूर्वी जिले की सीमा से लगे सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को हटाने में विफल रहने के विरोध में किया गया। सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच झड़प के दौरान पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों सहित कई अन्य लोग भी घायल हो गए। कुकी संगठन 31 दिसंबर को सैबोल गांव में सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित लाठीचार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हमलावरों ने शुक्रवार को गांव में केंद्रीय बलों, विशेषकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की निरंतर तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय की ओर पत्थर और अन्य हथियार फेंके।

मोबाइल का विवेक ...

चाहिए। ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट में सरसंघचालक डॉ. भागवत की उपस्थिति में कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में डॉ. भागवत ने समर्थ कुटुंब व्यवस्था पर चर्चा की। इसमें देश के अलग-अलग प्रांतों से आए कुटुंब प्रबोधन संयोजकों ने अपने क्षेत्र में होने वाले कुटुंब प्रबोधन गतिविधि से हुए परिवर्तन पर विचार व्यक्त किए। बैठक में मोबाइल पार्किंग पर भी बातचीत हुई। इस विषय को लेकर कुटुंब मित्र अपने-अपने क्षेत्र के परिवारों तक जाकर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर शुक्रवार को इंदौर पहुंचे थे। वे यहां शाम को संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित घोष वादन-स्वर शतकम कार्यक्रम में शामिल हुए। ओंकारेश्वर में राजराजेश्वरी सेवा न्यास खेड़ीघाट के सौजन्य से 3 जनवरी से शुरू हुई कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की बैठक पांच जनवरी तक चलेगी। इसके बाद सरसंघचालक शुक्रवार की रात ही इंदौर से ओंकारेश्वर पहुंच गए थे। सरसंघचालक डॉ. भागवत का ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन कार्यक्रम भी प्रस्तावित था। उन्हें शनिवार सुबह 6 बजे दर्शन के लिए जाना था, लेकिन प्रोटोकॉल नहीं मिलने के वजह से वे मंदिर नहीं पहुंचे। वे रविवार सुबह 8 बजे से 10 बजे के बीच मां नर्मदा आरती के लिए घाट पर पहुंचेंगे। डॉ. भागवत के दौरे के बीच तीर्थ नगरी के साथ-साथ मंदिर परिसर और ओंकारेश्वर बांध क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा कमांडों के अलावा स्थानीय जवानों की अलग से तैनाती की गई है। कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की बैठक में रविवार को ओंकारेश्वर के श्री मार्कण्डेय आश्रम परिसर भारत माता पूजन एवं कुटुंब प्रबोधन उद्बोधन होगा। वहीं, कुटुंब प्रबोधन गतिविधि के तहत पूरे भारत में 12 से 26 जनवरी को कुटुंब मित्रों अपने घर-परिवार में भारत माता की पूजा करेंगे। ओंकारेश्वर में दुनिया का सबसे बढ़ा सोलर फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित किया गया है। इसका जायजा लेने के लिए शनिवार को केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी और प्रदेश के नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला भी ओंकारेश्वर पहुंचे हैं। वे हेलीपैड से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के लिए रवाना हुए हैं। दर्शन के बाद फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट देखने जाएंगे।

चमत्कार : सच साबित...

इलाज किया गया। चीन की स्वदेशी सर्जिकल रोबोट प्रणाली की सहायता से इन सभी ऑपरेशनों को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो गए और अगले ही दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सर्जरी के दौरान डेटा ट्रांसफर ने 1,50,000 किलोमीटर की दूरी तय की, जो चिकित्सा इतिहास में पहली बार हुआ। चीन का यह सैटेलाइट शल्य चिकित्सा प्रणाली पर्वतीय और जलडमरूमध्य क्षेत्रों में जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने में सक्षम है। यह तकनीक युद्ध क्षेत्र और दूरस्थ इलाकों में घायल सैनिकों और नागरिकों के इलाज में क्रांति ला सकती है। एपस्टार-6डी, जो 2020 में लॉन्च हुआ था, 15 वर्षों की आयु के साथ प्रति सेकंड 50 जीबी डेटा ट्रांसफर कर सकता है। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र, समुद्री रास्तों और पृथ्वी के एक-तिहाई हिस्से को कवर करता है। इस उपग्रह की मदद से चिकित्सा सेवाओं को 24/7 वैश्विक कवरेज देने की दिशा में एक बड़ी छलांग मानी जा रही है। चीन की यह सफलता न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी में भी एक बड़ा ब्रेकथ्रू है। यह तकनीक भविष्य में खतरनाक चोटों और जटिल ऑपरेशनों का इलाज आसान बना सकती है। चीन ने महाभारत युग की उन्नत चिकित्सा और आधुनिक विज्ञान के मेल से एक नई संभावनाओं की दुनिया खोली है। यह उपलब्धि आने वाले समय में चिकित्सा सेवाओं की दिशा बदल सकती है।

आज से यात्री कर ...

राहत मिलेगी। एनसीआर से दिल्ली में रोजाना आवाजाही करने वाले लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगा। मौजूदा समय में आरआरटीएस के फेज-1 में तीन कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। जिसमें से दिल्ली-मरेठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। शेष दो अन्य दिल्ली-अलवर और दिल्ली पानीपत कॉरिडोर पर भी जल्द काम शुरू होगा। वहीं फेज-दो में पांच कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। इस तरह से आरआरटीएस के आठ कॉरिडोर के तैयार हो जाने से दिल्ली-एनसीआर में मास ट्रांजिट सिस्टम दुनिया के अन्य शहरों से भी बड़ा हो जाएगा। दिल्ली के चारों ओर 100 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी प्रमुख शहर आरआरटीएस से जुड़ेंगे। दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 82.15 किलोमीटर लंबा है। दिल्ली के हिस्से में 14 किलोमीटर तो यूपी के हिस्से में करीब 68 किलोमीटर है। फेज-1 में प्रस्तावित दो अन्य कॉरिडोर दिल्ली से पानीपत कॉरिडोर की लंबाई 103.02 किमी जबकि वहीं, राजस्थान के अलवर और सराय काले खां के बीच के कॉरिडोर की लंबाई 106 किमी है। दिल्ली से पानीपत और अलवर के कॉरिडोर के निर्माण हो जाने के बाद दिल्ली-एनसीआर में आरआरटीएस की सभी कॉरिडोर की कुल लंबाई 291 किमी से अधिक होगी। बताया जा रहा है कि इन दोनों कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा चुकी है। केंद्र सरकार की हरी झंडी के बाद इस पर काम शुरू किया जाएगा। मौजूदा समय में दिल्ली मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर आनंद विहार, न्यू अशोक नगर और सराय काले खां मेट्रो स्टेशन से जुड़ा हुआ है। आरआरटीएस के दो अन्य कॉरिडोर भी दिल्ली मेट्रो से जुड़ेंगे। इसमें सराय काले खां से अलवर कॉरिडोर आईएनए, मुनिरका और एयरोसिटी समेत कई मेट्रो स्टेशनों से जुड़ेगा। साथ ही पानीपत जाने वाला कॉरिडोर भी कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के साथ अन्य स्टेशन से जुड़ेगा। अधिकारियों का कहना है कि जरूरत के हिसाब से दिल्ली मेट्रो की कई लाइनों के साथ आरआरटीएस कॉरिडोर जुड़ेंगे। ताकि लोगों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के हो सके। आरआरटीएस के फेज-1 और दो के सभी कॉरिडोर के पूरा हो जाने और दिल्ली मेट्रो के फेज-चार के सभी कॉरिडोर का निर्माण हो जाने के बाद दिल्ली-एनआईआर में मास ट्रांजिट सिस्टम की लंबाई लगभग एक हजार किलोमीटर की हो जाएगी। इससे दुनिया के कई बड़े शहर दिल्ली-एनसीआर के मास ट्रांजिट सिस्टम में पीछे हो जाएंगे। अभी मौजूदा समय में आरआरटीएस का दिल्ली मेरठ कॉरिडार पर 42 किलोमीटर का हिस्से पर नमो भारत ट्रेनो परिचालन हो रहा है। रविवार को इसके 13 किलोमीटर के अन्य खंड पर भी ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा। वहीं दिल्ली मेट्रो की बात करें तो मेट्रो का दिल्ली और एनसीआर में 393 किलोमीटर कर नेटवर्क है। रविवार शाम 5 बजे से शुरू होने वाली नमो भारत ट्रेनें 15 मिनट के अंतराल पर जनता के लिए शुरू होंगी। दिल्ली से मेरठ जाने वाले स्टेशन न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक का स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपए और प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपए है। सभी यात्रियों की सहायता और सुविधा के लिए प्रत्येक ट्रेन में एक ट्रेन अटेंडेंट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त आपातकालीन स्थिति में मदद के लिए कोच के अंदर और प्लेटफॉर्म स्क्रीन दरवाजों पर एक पैनिक बटन दिया गया है।

बांदीपोरा में सेना का ...

खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था। एमएस बांदीपोरा अस्पताल के डॉ. मसरत ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए छह में से पांच सैन्य कर्मियों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीन गंभीर घायलों को श्रीनगर रेफर किया गया। इस दौरान एक जवान ने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसी बीच सूत्रों के अनुसार एक और सैनिक की श्रीनगर के एक अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई है जिससे इस हादसे में बलिदान हुए सैनिकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

एमपी में सेप्टिक ...

रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के बरगवां में शनिवार को सामूहिक हत्या की घटना सामने आई है। यहां बने एक आवासीय मकान के सेप्टिक टैंक से चार लोगों की लाशें बरामद की गई हैं। बताया जा रहा है कि जिस मकान में यह शव मिलेंगे वह हरि प्रसाद प्रजापति नाम के शख्स का है। जिसे करीब एक साल पहले बनाया गया था। पता चला है कि हरि प्रसाद प्रजापति का के बेटे सुरेश ने यहां पर कुछ लोगों के साथ 1 जनवरी को पार्टी की थी। शनिवार को पड़ोसियों को सेप्टिक टैंक से बदबू आई तो पास में ही रहने वाले बिहारी प्रजापति को बताया। जब लोगों ने पास जाकर देखा तो सेप्टिक टैंक में शव नजर आए जिन्हें देखकर लोग दहशत में आ गए। तुरंत घटना की सूचना बरगवां पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस टीम व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकलवाया। एफएसएल टीम भी ओके पर मौजूद है और मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री सिंघल ने स्वास्थ्य निदेशालय की संगठनात्मक संरचना और विभाग के महत्वपूर्ण कामकाज की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को जनता भवन स्थित अपने कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य निदेशालय (परिवार कल्याण) के संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा की। विभाग के अंतर्गत विभिन्न शाखाएं जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम; आयुष निदेशालय, स्वास्थ्य निदेशालय आदि बजट आवंटन और व्यय, बजट प्रस्तावों और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभाग को विभाग के अंतर्गत प्रत्येक निदेशालय की संगठनात्मक संरचना, अधिकृत और तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या, उनकी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों आदि का विश्लेषण करने और कार्यबल आवश्यकताओं के अनुसार ऐसे संगठनात्मक ढांचे के पुनर्गठन के लिए प्रस्ताव तैयार करने का भी निर्देश दिया। बैठक में स्वास्थ्य निदेशालय (परिवार कल्याण) और आयुष निदेशालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने स्वास्थ्य निदेशालय (परिवार कल्याण) को सार्वभौमिक टीकाकरण के तहत 100 प्रतिशत लक्ष्य समूह को प्राथमिकता के रूप में शामिल करने और गर्भवती महिला और बच्चे का 100 प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस संबंध में, यू-विन पोर्टल उनसे संबंधित सभी सूचनाओं को निष्पक्ष रूप से उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राज्य में जापानी एन्सेफलाइटिस टीकाकरण के माध्यम से अधिक जिलों को कवर करने पर भी जोर दिया। वहीं, आयुष निदेशालय और राष्ट्रीय आयुष मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने आयुष निदेशक को राज्य के कम से कम 100 आयुष मंदिरों में योग प्रशिक्षण और जागरूकता का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश दिया। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

दुलियाजान : फर्जी उग्रवादी संगठन का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निर्मल घोष ने दुलियाजान पुलिस थाने में आज एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस ने असम के *प्रकृत मानव मुक्ति सेना* और उल्फा *सी* कंपनी के नाम पर चल रहे एक फर्जी उग्रवादी संगठन का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने संगठन के मास्टरमाइंड बितुपन गोगोई उर्फ जयंत उर्फ बाबुल असम को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान पता चला कि गणतंत्र दिवस के मौके पर दुलियाजान और टेंगाखाट क्षेत्र में ऑयल इंडिया लिमिटेड के तेल क्षेत्रों में बम विस्फोट करने की योजना बनाई गई थी। गिरफ्तारी के दौरान बितुपन गोगोई के साथ दुलियाजान के बालिन गोगोई उर्फ धन और तिनसुकिया जिले के बरडुबी के विनोद पहाड़िया उर्फ विकास को भी पकड़ा गया। पुलिस ने इनके पास से 69,500 रुपए नकद, एक पिस्टल, 7.65 एमएम कारतूस, 11 मोबाइल फोन, 18 सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार, बितुपन ने चाय बागानों और ईंट भट्ठों में धन उगाही के लिए एक करोड़ रुपए जुटाने की बात स्वीकार की है। उसने दुलियाजान के तीन ईंट भट्ठा मालिकों से हथियार दिखाकर जबरन धन वसूली का प्रयास किया था। पुलिस को संदेह है कि बितुपन सैटेलाइट फोन का उपयोग कर रहा था। इस फोन को बरामद करने के लिए पुलिस अभियान जारी रखे हुए है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। तलाशी और नियंत्रण अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के लोइबोल खुनौ क्षेत्र से हथियारों और गोला-बारूद को जखीरा सुरक्षाबलों के हाथ लगा है। बताया गया है कि 7.62 एमएम स्नाइपर राइफल, एक इम्प्रोवाइज्ड लांग रेंज मोर्टार (पंपी), तीन पिस्तौल (9एमएम) और तीन मैगजीन, 12 बोर गन, एसबीबीएल गन, 10 कारतूस, तीन हैंड ग्रेनेड (नंबर 36), तीन पिकेट ग्रेनेड (एंटी-रायट), दो आंसू गैस ग्रेनेड (एंटी-रायट) और एक वायरलेस सेट (मोटोरोला) बरामद किया गया है।

अर्नब मैत्रा ने एनटीपीसी बंगाईगांव के बिजनेस यूनिट हेड का कार्यभार संभाला

कोकराझाड़(हिंस)। असम में स्थित एनटीपीसी के 750 मेगावाट के प्रमुख पावर स्टेशन एनटीपीसी बंगाईगांव ने अर्नब मैत्रा को आज से अपना नया बिजनेस यूनिट हेड नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से पहले, मैत्रा छत्तीसगढ़ के एनटीपीसी कोरबा में परिचालन और रखरखाव (ओएंडएम) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे, जो 2600 मेगावाट की प्रभावशाली उत्पादन क्षमता वाला स्टेशन है। मैत्रा ने अखिलेश सिंह का स्थान लिया है, जिन्हें एनटीपीसी के सीजीएम-ओएस (निदेशक-संचालन सचिवालय) के पद पर पुनः नियुक्त किया गया है। 30 से अधिक वर्षों के अनुभव वाले एक अनुभवी पेशेवर मैत्रा ने 1989 में आरईसी, दुर्गापुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करने के बाद एनटीपीसी में एक कार्यकारी प्रशिक्षु (ईटी) के रूप में काम करना शुरू किया। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने फरक्का, विंध्याचल, दरलीपाली और कोरबा सहित एनटीपीसी के प्रतिष्ठित बिजलीघरों में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता हासिल की है, जहां उन्होंने परिचालन दक्षता और उत्कृष्टता सुनिश्चत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गुवाहाटी में एसटीएफ की छापेमारी में दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। शनिवार की दोपहर के समय असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर भरलुमुख थाना क्षेत्र के 4 नंबर रेलवे गेट, आठगांव में छापेमारी कर दो कुख्यात ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। असम पुलिस के सीपीआरओ ने यह जानकारी दी। छापेमारी के दौरान 35 वायल संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन: 46.9 ग्राम), 3300 रुपए नकद तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद असोउ अली (27) तथा आनंद कुमार झा (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं

चानडूबी महोत्सव में शामिल हुए मंत्री रंजीत दास

गुवाहाटी (हिंस)। चानडूबी महोत्सव 2025 में असम के पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने शनिवार को कामरूप जिले के राजापारा में भाग लिया। उन्होंने आयोजकों, स्थानीय जनता और पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ चानडूबी और उसके आसपास के पर्यावरणीय पर्यटन विकास पर चर्चा की। मंत्री ने अपने संबोधन में चानडूबी झील की जैव विविधता को संरक्षित करने और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में चानडूबी झील को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि महोत्सव के आयोजन के लिए पर्यटन विभाग हर साल 50 हजार रुपए की सहायता प्रदान करेगा। झील के जलस्तर में कमी और जलकुंभी की सफाई के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की उन्होंने बात कही। इसके लिए पर्यटन, जल संसाधन और वन विभाग के बीच समन्वय कर ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर पलाशबाड़ी के विधायक हेमांग ठाकुरिया, समाजसेवी हिमांशु बैश्य और पर्यटन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

साईट फर्स्ट गुवाहाटी ने मनाया लुई ब्रेल दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। साईट फर्स्ट गुवाहाटी द्वारा हर साल की तरह इस साल भी आज (4 जनवरी) लुई ब्रेल दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज एलुमनी हाउस में आयोजित हुआ, जहां लुई ब्रेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर डॉ. अतिकुल हुसैन, सेवानिवृत्त प्राध्यापिका दीपाली गोस्वामी और कॉटन विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. भवेश गोस्वामी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. बिजुली गोस्वामी ने लुई ब्रेल दिवस के महत्व और दृष्टिहीनों के लिए साईट फर्स्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। गुवाहाटी एम्स के प्रोफेसर डॉ. शारद फिलिप ने दृष्टिहीनों के लिए आधुनिक सुविधाओं और तकनीकों का उपयोग करने पर जोर दिया। दिलीप गोस्वामी की स्मृति में दिया जाने वाला पुरस्कार इस बार ब्रेल पद्धति से हाई स्कूल परीक्षा में सर्वोच्च स्थान पाने वाली नवनीता हालोई को प्रदान किया गया। यह पुरस्कार ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने दिया। उन्होंने साईट फर्स्ट के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में सहयोग की इच्छा जताई। दिल्ली हाई कोर्ट के वकील पंकज सिन्हा ने दृष्टिहीनों के मानव और संवैधानिक अधिकारों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में असम के विभिन्न क्षेत्रों से आए दृष्टिहीन प्रतिभागियों ने अपने संघर्ष और उपलब्धियों को साझा किया। साथ ही, दृष्टिहीन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर डॉ. बिजुली गोस्वामी की पुस्तक *आमार चोकुजूरी* के नए संस्करण का लोकार्पण प्रसिद्ध लेखक डॉ. जयंत गोस्वामी ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अनन्या गोस्वामी ने किया।

कोकराझाड़ में जिला स्तर का आईआरएस मॉक ड्रिल संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, कोकराझाड़ में आज दो दिवसीय जिला स्तरीय इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एक लाइव मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), कोकराझाड़ और असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के सहयोग से आयोजित इस मॉक ड्रिल में आपदा की एक परिकल्पित स्थिति को प्रस्तुत किया गया, जिससे जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की तैयारी और समन्वय का मूल्यांकन किया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को नियंत्रित वातावरण में वास्तविक आपदाओं के प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। दिन की शुरूआत में एक टेबलटॉप एक्सरसाइज (टीटीईएक्स) आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रक्रियाओं, योजनाओं और नीतियों के बारे में मार्गदर्शन दिया। इस सत्र में आपात स्थितियों के दौरान तनाव को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया। सत्र में भूकंप जैसी आपदाओं के लिए नियमों, जिम्मेदारियों और प्रोटोकॉल को समझने पर जोर दिया गया। विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को संभावित आपदाओं से निपटने के तरीकों पर विचार करने और चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डिब्रीफिंग सत्र को संबोधित करते हुए, एडीसी कविता डेका ने प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी की सराहना की और आपदा प्रबंधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

नगरबेड़ा : प्रतिबंधित भांग की खेती पर पुलिस की कार्रवाई

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा थाना अंतर्गत भखुरादिया में अवैध भांग की खेती के खिलाफ आज अभियान चलाया गया। आज नगरबेड़ा पुलिस थाना प्रभारी लावण्या बोरो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भखुरदिया ग्राम सुरक्षा बल की मदद से भखुरादिया में भांग की खेती के खिलाफ अभियान चलाया। परिवार के घर के आंगन में भांग की खेती के खिलाफ अभियान चलाकर काश्तकारों के तीन सौ भांग के पेड़ों को नष्ट कर जला दिया गया। प्रतिबंधित भांग की खेती के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान को क्षेत्र के जागरूक लोगों ने काफी सराहा है। गौरतलब है कि स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने मीडिया से शिकायत की थी कि गांव के कई परिवार अभी भी भांग की खेती करते हैं। इसलिए स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस तरह के भांग के खिलाफ पुलिस का अभियान जल्द से जल्द फिर से जारी रखा जाए।

उत्तर गुवाहाटी में दोस्त की हत्या कर शव को रस्सी से लटकाया

उत्तर गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर गुवाहाटी के तिलिंगांव में एक खौफनाक हत्या की घटना सामने आई है। धर्म प्रचारक भक्त वैष्णव की हत्या कर उनके शव को रस्सी से लटका दिया गया। घटना के अनुसार, 30 दिसंबर से शरण भागवती समाज के निरंतर साधक विकी दास (23) लापता थे। शुक्रवार को विकी दास का शव रस्सी से लटका हुआ मिला, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आज बताया है कि हत्या के संदेह में विकी दास के दो दोस्तों, विनय दास उर्फ पिताई और उत्पल दास को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में यह पता चला कि दोनों दोस्तों ने हत्या के बाद चार दिनों तक सामान्य जीवन जीया और घटना को छिपाए रखा। घटनास्थल पर उत्तर गुवाहाटी पुलिस और उच्च पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। इस हत्याकांड ने उत्तर गुवाहाटी में भारी तनाव और उत्तेजना का माहौल बना दिया है।

राज्यपाल ने तीन योजनाओं का किया शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में तीन नई योजनाओं का शुभारंभ किया। इन योजनाओं में *राज्यपाल असम राष्ट्रीय कृतज्ञता एवं जागरूकता योजना, राज्यपाल असम कर्तव्य से विकास योजना* और *राज्यपाल असम अमृत सरोवर सद्भावना संगत प्रोत्साहन योजना* शामिल हैं। राष्ट्रीय कृतज्ञता एवं जागरूकता योजना का उद्देश्य खासकर छात्रों को देश की रक्षा में जुटे सशस्त्र बलों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। इसे राज्य के सभी जिलों में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सैनिक कल्याण निदेशालय के साथ साझेदारी में लागू किया जाएगा। इस योजना में सशस्त्र बलों के अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए जाएंगे, जिससे युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना का विकास होगा। कर्तव्य से विकास योजना का उद्देश्य समाज में जिम्मेदारी और कर्तव्य के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इसे राजभवन असम और नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से लागू किया जाएगा। स्कूलों और कॉलेजों में *मूल कर्तव्य, राष्ट्रीय एकता* और *एक भारत श्रेष्ठ भारत* जैसे विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह योजना युवाओं को भारत को *विकसित भारत* बनाने की दिशा में प्रेरित करने का प्रयास है। अमृत सरोवर सद्भावना संगत प्रोत्साहन योजना के तहत अमृत सरोवर स्थलों को सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्थलों पर सौर ऊर्जा संयंत्र, ध्वज स्तंभ और सामुदायिक गतिविधियों के लिए स्थान बनाए जाएंगे। इसके तहत वृक्षारोपण अभियान और सामुदायिक सभाओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि देश की सेवा करना एक विशेषाधिकार है, लेकिन सशस्त्र बलों को सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने छात्रों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करने और राष्ट्र की सेवा में नवाचार लाने का आह्वान किया। इस अवसर पर गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ननी गोपाल महंत, कॉटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश चंद्र डेका और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल ने इससे पहले 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पांच अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया था। इनमें *प्रतिभा प्रोत्साहन योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना, उत्कृष्टता पुरस्कार, भाषा प्रोत्साहन योजना* और *वरिष्ठ शिक्षक सम्मान योजना* शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सतर्कता बनाए रखते हुए शुक्रवार रात को एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद, उसे वापस सीमा पार बांग्लादेश भेज दिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तुषार इमरान के रूप में हुई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सीमा को सुरक्षित रखना राज्य की प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता की सराहना की।

मणिराम देवान वाणिज्य केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन व्यापार मेला

गुवाहाटी (हिंस)। स्थानीय बेतकुची स्थित मणिराम देवान व्यापार केंद्र में 25 दिसंबर से 12 जनवरी तक तीसरा अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन व्यापार मेला आयोजित किया जा रहा है। व्यापार मेले में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ अफगानिस्तान, दुबई, बांग्लादेश और थाईलैंड के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। हर्बल दवाओं से लेकर दैनिक जरूरतों तक, बांस उत्पाद, फर्नीचर, कपड़े, आभूषण, प्राकृतिक सामग्री और सुगंधित धूप जैसी 150 से अधिक दुकानें मेले में मौजूद हैं। इस मेले का उद्घाटन असम व्यापार विकास संघ के अध्यक्ष सुनील डेका ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मधुरम डेका, महानिदेशक सेलिम राजा मंडल और निदेशक नयनमणि नाथ भी उपस्थित थे। अध्यक्ष ने कहा कि मेले में कई अनोखी वस्तुएं हैं, जो सामान्य बाजार में नहीं मिलतीं। उन्होंने राज्य के छोटे उद्यमियों को बड़ा बाजार देने और मुख्यमंत्री के सहयोग का उल्लेख किया। हर शाम मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पहले दिन की शुरूआत धृतिस्मिता बोरा, टिंकल राजवंशी और पद्मनाभ बरदलै द्वारा प्रस्तुत कृष्ण वंदना से हुई। मेले में प्रतिदिन शाम 6 बजे से लोकप्रिय कलाकारों का संगीत कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहेगा।

बजाली प्रशासन की पहल से वृद्धजनों पर विशेष ध्यान

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बजाली प्रशासन की एक उत्कृष्ट पहल की सराहना की, जिसके तहत 90 वर्ष से ऊपर के लगभग 400 नागरिकों की पहचान की गई और उनके घरों पर स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई। बजाली में *स्पर्श* पहल के तहत यह कदम उठाया गया है, जिसमें वृद्धजनों का स्वास्थ्य रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष देखभाल की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल किसी को भी पीछे नहीं छोड़ रही है और जिले के सबसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक मजबूत सहारा बन रही है।

न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन का शुभारंभ

बंगाईगांव। भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विन वैष्णव जी ने असम में कई परियोजनाओं का सिल्यानास किया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के अनेक राज्यों से झूम के माध्यम से लोग इसमें जुड़े। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत न्यू बोंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर 3 जनवरी को न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी के बीच एक नई पैसेंजर ट्रेन के उद्घाटन समारोह का भी आयोजन किया गया। आमंत्रित अतिथियों में रंगिया मंडलीय रेल प्रबंधक नीरज गुप्ता, बंगाईगांव म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुबोध चंद्र दास, रेलवे उपभोक्ता परामर्श समिति के सदस्य महेश कुमार अग्रवाल के अलावा रेलवे के कई अधिकारी उपस्थित थे। सभी अतिथियों का फूलोम गमछा एवं पुष्प गुछ देकर सम्मानित किया गया तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद जिला आयुक्त नवदीप पाठक एवं जिला पुलिस अधीक्षक मोहनलाल मीणा भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए। अपने स्वागत भाषण में रंगिया मंडलीय रेल प्रबंधक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इस पैसेंजर ट्रेन के चलने से यहां के व्यापार वाणिज्य में वृद्धि होगी तथा लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में सहूलियत होगी तथा यहां के लोगों की कई दिनों से लंबित मांग भी पूरी हो जाएगी। इस अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। केंद्रीय रेल मंत्री के आदेश अनुसार स्टेशन पर उपस्थित सभी अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर 55817/55818 न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया। मंडलीय रेल प्रबंधक ने रेलवे की तरफ से सभी को धन्यवाद दिया तथा महेश कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में भारत सरकार के रेल मंत्रालय का पैसेंजर ट्रेन चलाने के लिए तथा शानदार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रेलवे का आभार व्यक्त किया तथा आशा व्यक्त की कि इस अंचल की उन्नति के लिए भविष्य में भी रेलव की तरफ से इसी तरह उन्नयमूलक कार्य किए जाएंगे।

संपादकीय

यह उथल-पुथल का साल!

प्रधानमंत्री मोदी ने नए साल पर अमन-चैन, भाईचारे और आस्था की शुरुआत की है। उन्होंने अजमेर शरीफ के ख्वाजा के दर पर आस्था की चादर भिजवाई है। यह प्रधानमंत्री की 11वीं चादर है, जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और कुछ सचिव स्तर के बड़े अधिकारी लेकर अजमेर गए हैं। अजमेर से पहले रिजिजू ने दिल्ली में निज़ामुद्दीन औलिया की पाक दरगाह पर चादर चढ़ाई। प्रधानमंत्री मोदी ने यह कोशिश तब की है, जब कुछ हिंदूवादी संगठनों ने अजमेर की पाक दरगाह के नीचे शिव मंदिर होने का दावा किया है। उस शिवालय को ध्वस्त करके मुगलों ने अजमेर की मस्जिद और दरगाह बनाई थी। हालांकि अजमेर शरीफ में मुसलमानों से ज्यादा हिंदू इबादत करने, चादर चढ़ाने जाते रहे हैं। इस रवायत को नजरअंदाज कर केस अदालत में भी दर्ज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री की आस्था की चादर से हिंदू-मुस्लिम पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। कुछ हिंदूवादी चेहरे प्रधानमंत्री से नाराज भी बताए जा रहे हैं और वे अजमेर-संभल समेत कुछ इलाकों की मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढने पर आमादा हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए खुदाई के काम जारी हैं। क्या सर्वोच्च अदालत संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई करेगी? क्या भाजपा वाले सरसंघचालक मोहन भागवत की अपील का भी विरोध कर सकते हैं? क्या उनमें ऐसा दुस्साहस है? सरसंघचालक चाहते हैं कि अब अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय, महादेव का मंदिर ढूंढना बंद किया जाए। इन गतिविधियों से कोई भी व्यक्ति 'हिंदुओं का नेता' बनने का भ्रम न पाले। बहरहाल यदि शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है, तो संभव है कि नए साल में, देश में, संविधान का संकट भी उभर सकता है! कुछ तत्त्व न तो प्रधानमंत्री की सुन रहे हैं, न संसद की बात मानना चाहते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत का फैसला उन्हें स्वीकार्य है, नतीजतन क्या होगा? यदि देश में संविधान का संकट सामने आता है, तो हमारे लोकतंत्र की तमाम व्यवस्थाएं सवालिया हो सकती हैं! यानी गणतंत्र ही दांव पर लगाया जा सकता है! इसी साल वक्फ बोर्ड और 'एक देश, एक चुनाव' सरीखे विवादित बिल भी संसद में पारित किए जाने हैं। इन बिलों पर देश की राजनीति बिलकुल विभाजित है और सांप्रदायिक तनाव और हिंसा के हालात भी स्पष्ट हैं। सवाल है कि क्या 2025 सांप्रदायिक, वैचारिक आधार पर उथल-पुथल का साल साबित होगा? इसी साल दिल्ली, बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा दिल्ली के उपराज्यपाल के दफ्तर ने धार्मिक स्थलों को तोडने के संदर्भ में जो रहस्योद्घाटन किया है, उससे भी राजनीति बेहद गरमाएगी। उपराज्यपाल सचिवालय ने खुलासा किया है कि 8 फरवरी, 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 9 मंदिरों को गिराने की सिफारिश की थी। ऐसी ही सिफारिशें दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और गृहमंत्री सत्येन्द्र जैन ने भी की थीं। 2016-23 के दौरान तत्कालीन 'आप' सरकार ने 24 मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोडने की सिफारिशें की थीं। इन धार्मिक स्थलों में एक भी मस्जिद का संदर्भ नहीं है। हालांकि उपराज्यपाल ने वे तमाम सिफारिशें खारिज कर दी थीं। ये सांप्रदायिक विभाजन, तनाव और टकराव के उद्धरण हैं, जो देश के हालात में उथल-पुथल बो सकते हैं। इन्हीं स्थितियों में प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को करीब 4500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन किए। दिल्ली में वीर सावरकर के नाम पर कालेज बनाया गया है। केजरीवाल ने सरसंघचालक भागवत को हाल ही में जो चिठी लिखी थी, उसमें भी वोट काटने और खरीदने के मुद्दों का जिक्र था। इसके अलावा, पंजाब और बिहार में बंद, अनशन, चक्का जाम, रेल रोको आदि के जो आंदोलन चलाए जा रहे हैं, वे भी देश की शांति, स्थिरता को डांवाडोल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह कोशिश तब की है, जब कुछ हिंदूवादी संगठनों ने अजमेर की पाक दरगाह के नीचे शिव मंदिर होने का दावा किया है। उस शिवालय को ध्वस्त करके मुगलों ने अजमेर की मस्जिद और दरगाह बनाई थी। हालांकि अजमेर शरीफ में मुसलमानों से ज्यादा हिंदू इबादत करने, चादर चढ़ाने जाते रहे हैं। इस रवायत को नजरअंदाज कर केस अदालत में भी दर्ज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री की आस्था की चादर से हिंदू-मुस्लिम पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। कुछ हिंदूवादी चेहरे प्रधानमंत्री से नाराज भी बताए जा रहे हैं और वे अजमेर-संभल समेत कुछ इलाकों की मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढने पर आमादा हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए खुदाई के काम जारी हैं। क्या सर्वोच्च अदालत संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई करेगी? क्या भाजपा वाले सरसंघचालक मोहन भागवत की अपील का भी विरोध कर सकते हैं? क्या उनमें ऐसा दुस्साहस है? सरसंघचालक चाहते हैं कि अब अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय, महादेव का मंदिर ढूंढना बंद किया जाए।

लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है।

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस

ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था। महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा। संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था। इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है। आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो।

दृष्टि कोण

नेताओं की बढ़ती संपत्ति से गरीबी का उपहास

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती संपत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चन्द्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपए से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1, 630 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपए थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व.आय 13,64,310 रुपए है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस संपत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए संपत्ति के ब्योरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिर्टन में भरते हैं। देश में आयकर रिर्टन भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की संपत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है। विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने संपत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी संपत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों के मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं, जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है।

कुछ अलग

ज़हरीला भूजल

हरित क्रांति के अगुआ बनकर देश के खाद्यान्न संकट दूर करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा का भूजल चिंताजनक स्तर तक दूषित पाया गया है। धान व अन्य फसलों की बंपर पैदावार के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन करने वाले इन राज्यों का भूजल का स्तर उस गहराई तक जा पहुंचा है, जहां उसमें यूरेनियम जैसे घातक पदार्थों की मात्रा गंभीर स्थिति तक जा पहुंची है। पूरे देश में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिये लिये गए बीस फीसदी सैंपल निर्धारित कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। इन सैंपलों में नाइट्रेट का स्तर सीमा से अधिक मिला है। पानी की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय भूजल बोर्ड की सालाना रिपोर्ट गंभीर चिंताओं का खुलासा करती है। जहां अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, जम्मू- कश्मीर आदि के सौ फीसदी सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों पर खरे उतरे हैं, वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र. तथा आंध्र प्रदेश में पानी बड़े पैमाने पर प्रदूषित मिला है। देश में कुल 15,259 भूजल निगरानी स्थानों का चयन पानी की क्वालिटी नापने के लिये किया गया। मगर पंजाब के पानी के नमूने में मिले घातक तत्व चिंता बढ़ाने वाले हैं। पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्रीय भूजल बोर्ड की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। हमने मुनाफा बढ़ाने के लिये जिस भूजल का अंधाधुंध दोहन किया है वह अब अपना नकारात्मक प्रभाव दिखाने लगा है। निश्चित रूप ने कुदरत ने हमें आवश्यकता का जल तो दिया है लेकिन उसके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी है। पंजाब बड़े पैमाने पर धान की खेती करता रहा है। हालांकि, पंजाब के भोजन में चावल प्राथमिक नहीं रहा है। लेकिन व्यावसायिक हितों की पूर्ति के लिये धान की खेती को प्रश्रय दिया गया। इस खेती की वजह धान की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का मिलना भी है। अब किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग संकट के मद्देनजर यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि वर्षा जल के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। जिसके चलते सूखे व बाढ़ जैसी स्थितियां कभी भी पैदा हो जाती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर उन फसलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कम पानी में उग सकें और अधिक मुनाफा दे सकें। सरकारों की ओर से मुफ्त सिंचाई की सुविधा के सवाल पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, हमें जो चीज मुफ्त उपलब्ध हो जाती है, हम उसके उपयोग में किफायत नहीं बरतते। हमें हर मुफ्त चीज की बड़ी कीमत कालांतर चुकानी पड़ती है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट राजस्थान व गुजरात के भूजल में निर्धारित मानक से अधिक फ्लोराइड होना बताती है। यहां एक विचारणीय प्रश्न यह भी है कि कई स्थानों पर मानसून के बाद पानी गुणवत्ता में सुधार देखा गया। ऐसे में हमें वर्षा जल को धरती में रिचार्ज करने की दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। दरअसल, रिपोर्ट बताती है कि बारिश के पानी के रिचार्ज होने से घातक पदार्थ का असर कम हो जाता है।

देश दुनीया से

शिक्षा का गिरता स्तर: चिंता का विषय

सरकारी स्कूलों में विभिन्न प्रकार की मुफ्त सुविधाएं होते हुए भी माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहते, इसकी वजह यह है कि प्राथमिक स्कूल ही बच्चे का आधार होता है वहीं से सब कुछ गड़बड़ हो जाता है। प्राथमिक स्कूलों में एक तो अध्यापकों की कमी रहती है एक या दो अध्यापकों के सहारे ही स्कूल चलाए जाते हैं। पढ़ाई के अतिरिक्त जो दूसरे कार्य हैं डाक बनाना, हिसाब-किताब रखना जैसे बहुत से कार्य होते हैं जो पढ़ाई में बाधक हैं। अध्यापक बच्चों को पढ़ाए या इन कार्यों का हिसाब-किताब करें। पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियां भी करवाई जाती है। पहले ही स्टाफ की कमी ऊपर से दूसरे कामों का बोझ। अभी अध्यापक स्कूल की पूरी व्यवस्था और बच्चों को समझ नहीं पाता कि कमी कहां है? थोड़ा बहुत प्रयास करता है सुधारने के लिए कि उसे बदली का डर सताने लगता है। नया अध्यापक बच्चों को समझने में समय लगा देता है, परंतु उसका पढ़ाने का अपना तरीका होता है। बच्चे उस तरीके को अच्छी तरह से नहीं अपना पाते शिक्षा का स्तर गिरता है। बहुत से माता-पिता ऐसे हैं जो बच्चे की तरफ ध्यान नहीं देते। स्कूल में अध्यापकों के बुलाने पर भी बहुत कम आते हैं। पहली से आठवीं तक देखे ग्रेडिंग सिस्टम बिलकुल सही नहीं है। अध्यापक मेहनत तो करवाते हैं परंतु बच्चे पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं देते। उनको पता है कि हम तो बिना पढ़े, बिना कुछ लिखे भी पास ही हैं। बच्चे आठवीं पास कर जाते हैं, परंतु सरकार की अच्छी पहल है कि अब पांचवीं और आठवीं में भी बच्चे फेल होंगे। माता-पिता उनकी तरफ ध्यान नहीं देते। उनके बच्चे को कुछ आए चाहे न आए। उनको तो बस इतना है कि बच्चा पास हो गया नौवीं कक्षा में पहुंच गया। बच्चा ठीक ही चल रहा है। माध्यमिक स्कूलों से बहुत से बच्चे ऐसे आते हैं जो लिखने पढने में काफी कमजोर होते हैं। कुछ बच्चे अच्छे भी आते हैं। नौवीं कक्षा में वे बच्चे अच्छे बच्चों के साथ नहीं चल पाते और उनकी कमियां वैसे की वैसी बनी रहती हैं। शिक्षा के स्तर का गिरना कोरोना महामारी की भी वजह है। उस दौरान पढ़ाई में जो कमी रह गई उसकी भरपाई अभी तक नहीं हो पा रही है। नौवीं-दसवीं कक्षा में बच्चे थोड़े समझदार तो हो जाते हैं। अपना अच्छा बुरा समझने लग जाते हैं, परंतु बाहर का वातावरण उनको अपनी ओर आकर्षित करने लग जाता है। बच्चे फोन का सही इस्तेमाल न करके उसका दुरुपयोग करते हैं। पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं देते। कमियां उनकी जैसी की तैसी बनी रहती हैं। दूसरे बच्चे यह सोचते हैं कि पढने का क्या फायदा कोई नौकरी तो मिलनी नहीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छठी से बारहवीं तक रोजगार परक शिक्षा को लेकर आई है जो कि एक अच्छी पहल है। हमें उसे धरातल पर उतारने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा न हो कि उसकी सिद्धांतिक जानकारी दी जाए, परंतु व्यावहारिक ज्ञान से उसे जोड़ा न जाए। हमें उससे भी उसे जोडना होगा। हमारे सीमावर्ती बहुत से स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। वहां या तो अध्यापक टिक नहीं पाते है यदि टिक पाते हैं तो बहुत सारी मुश्किलें वहां आती हैं। जिस कक्षा में 100 विद्यार्थी होंगे अध्यापक क्या-क्या करेगा। पढ़ाई करवाएगा या दूसरे काम निपटाएगा। अगर एक भी अध्यापक वहां से चला जाता है, दूसरा वहां आसानी से नहीं आ पाता। एक ही अध्यापक की बात नहीं दो-दो, तीन-तीन पद खाली रहते हैं। सारा बोझ दूसरे अध्यापकों पर पड़ जाता है। अगर कोई अध्यापक वहां पर आता है तो विवशता के कारण जिसको कहीं जगह नहीं मिलती। दूसरे आजकल किसी बच्चे को कोई कुछ कह भी नहीं सकता। जब बच्चे को सही व्यवस्था नहीं मिलेगी तो सही पढ़ाई नहीं हो पाएगी। सही पढ़ाई नहीं होगी तो शिक्षा का स्तर तो गिरेगा ही गिरेगा। शिक्षा का स्तर गिरने की एक वजह यह भी है कि जो अच्छे-अच्छे बच्चे होते हैं निजी स्कूलों में चले जाते हैं। जिन बच्चों के माता-पिता निजी स्कूलों में नहीं पढ़ा पाते वे बच्चे सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले लेते हैं। जो बच्चे निजी स्कूलों में नहीं चल पाते हैं उनके माता-पिता भी उनको सरकारी स्कूल में दाखिल करवा देते हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के अतिरिक्त दूसरे जितने कार्य होते हैं उतने शायद निजी स्कूलों में नहीं होते। चुनावों की चिंता उनको नहीं है। वोट बनाना, छात्रवृत्ति का कार्य, दोपहर का भोजन, जनगणना, अन्य गतिविधियां, उनकी तैयारी करवाना, फोटो खींचना, अपलोड करना, जिस कार्य के प्रभारी हैं उसकी सारी जिम्मेदारी निभाना। जबकि निजी स्कूलों में अध्यापकों का फोकस सिर्फ पढ़ाई पर ही होता है। सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कभी पांच दिन की ट्रेनिंग, कभी दस दिन की ट्रेनिंग शिक्षा का स्तर तो गिरेगा ही। और भी बहुत सी खामियां हैं जिनके कारण शिक्षा के स्तर व बच्चों की संख्या में कमी होती जा रही है। जिसकी वजह उचित सुविधाओं का न होना भी है। पैदल चलने का झंझट भी बच्चों की घटती संख्या का कारण है। आज के जमाने में कोई भी ऐसे अभिभावक नहीं होंगे जो अपने बच्चों को वर्दी, खाना, किताबें आदि मुहैया नहीं करवा सकते। उन्हें मुफ्त सुविधाओं की बजाय अच्छी शिक्षा चाहिए। जो उनके बच्चे को प्रतियोगिता के जमाने में कहीं ना कहीं अपने पैरों पर खड़ा होने के योग्य बनाएं। शिक्षा का स्तर ऊपर उठाने के लिए जरूरी है शिक्षा स्तर में पाई जाने वाली कमियों को दूर करना। अधिक से अधिक बजट का प्रावधान और उसका सदुपयोग करना। कमरों की, अध्यापकों की कमी को दूर करना। ऐसी व्यवस्था को समाप्त करना जो शिक्षा स्तर के गिरावट का कारण है। सरकारी स्कूलों में वे सभी सुविधाएं देना जो निजी स्कूलों में उपलब्ध है। अध्यापकों के ऊपर जो अनावश्यक बोझ डाला जा रहा है उसे कम करना। अध्यापकों का एक ही लक्ष्य होना चाहिए गुणवत्ता से युक्त शिक्षा देना।

प्राथमिक स्कूलों में एक तो अध्यापकों की कमी रहती है एक या दो अध्यापकों के सहारे ही स्कूल चलाए जाते हैं। पढ़ाई के अतिरिक्त जो दूसरे कार्य हैं डाक बनाना, हिसाब-किताब रखना जैसे बहुत से कार्य होते हैं जो पढ़ाई में बाधक हैं। अध्यापक बच्चों को पढ़ाए या इन कार्यों का हिसाब-किताब करें। पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियां भी करवाई जाती है। पहले ही स्टाफ की कमी ऊपर से दूसरे कामों का बोझ। अभी अध्यापक स्कूल की पूरी व्यवस्था और बच्चों को समझ नहीं पाता कि कमी कहां है? थोड़ा बहुत प्रयास करता है सुधारने के लिए कि उसे बदली का डर सताने लगता है। नया अध्यापक बच्चों को समझने में समय लगा देता है, परंतु उसका पढ़ाने का अपना तरीका होता है। बच्चे उस तरीके को अच्छी तरह से नहीं अपना पाते शिक्षा का स्तर गिरता है। बहुत से माता-पिता ऐसे हैं जो बच्चे की तरफ ध्यान नहीं देते। स्कूल में अध्यापकों के बुलाने पर भी बहुत कम आते हैं।

आप का नजरीया

हर तरफ लीकेज है!

अपने विरोधियों की टांगें खींचने और उनके खिलाफ जहां-तहां जुगाली करने के बाद जब मैं शाम को थका मांदा घर लौटा तो दरवाजे पर मुंह फुलाए खड़ी पत्नी से सामना हो गया। विपक्षी दल के नेता की तरह वह ताना मारते हुए बोली, 'इधर-उधर ही तांक-झांक करते रहोगे या कभी घर में भी दिलचस्पी लोगे? छत पर रखी टंकी लीक कर रही है, गैस पाईप लीक कर रही है, आपके दारू की बोतल लीक कर रही है...जिधर देखती हूं, उधर लीकेज ही लीकेज है। यह लीकेजें कौन रोकेगा?' मैंने बाहर खड़े-खड़े ही यह कहकर अपने हाथ खड़े कर दिए कि लीकेज रोकना अपने बस की बात नहीं है। पत्नी तुनकते बोली, 'क्यों, बस की बात क्यों नहीं है? क्या लीकेज किसी महंगाई का नाम है जो नहीं रुक सकती? क्या यह करप्शन है, जो नहीं रुक सकती? क्या यह गाय-भैंस के दूध में सिंथेटिक दूध की मिक्सिंग है या जीवनरक्षक दवाओं में पानी की मिक्सिंग है जो नहीं रुक सकती? क्या यह परीक्षा केंद्रों में होने वाली नकल है जो नहीं रुक सकती? या फिर यह हमारे नेताओं का चारित्रिक पतन है जिसे रोक पाना नामुमकिन है?' मैंने पत्नी के तल्ख तेवर देखकर मुलायम स्वर में कहा, 'हे डार्लिंग, लीकेज हमारे लोकतंत्र का एक बुनियादी हिस्सा है। इसे रोक कर मुल्क का लोकतंत्र कमजोर नहीं किया जा सकता। तुम्हें तो सिर्फ इस घर में ही लीकेज नजर आती है, लेकिन हमें तो यह मुल्क में यत्र तत्र सर्वत्र दिखाई देती है। यहां कोई फील्ड ऐसा नहीं है जहां लीकेज न होती हो। यहां परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं। घोषित होने से पहले परीक्षा परिणाम लीक हो जाते हैं। खुलने से पहले सरकारी टेंडर लीक हो जाते हैं। लीडरों के प्रेम प्रसंग लीक हो जाते हैं। उनके कारनामे लीक हो जाते हैं। कोई भी चीज लीकेज प्रूफ नहीं रही है यहां पर। मसलन कभी यह बात लीक हो जाती है कि फलां नेता अमुक सौदे में इतनी दलाली खाने के साथ-साथ कबूतरबाजी में भी इतनी रकम बना गया और ठेकेदारों से सेटिंग करके सरकार को इतने का चूना लगा गया। अपने मुल्क में लीक करने वाले तो इतने शातिर हो गए हैं कि वे यह खबर भी लीक कर देते हैं कि बाढ़ और सूखा पीड़ितों के लिए सरकार ने मानवता के नाते जो राहत राशि जारी की थी, उसका एक बड़ा हिस्सा फलां फलां नेता और फलां फलां अफसर आपस में मिल बांट कर खा गए और उन्होंने डकार तक नहीं मारा। यही नहीं, यहां तो गोपनीय दस्तावेज तक लीक हो जाते हैं। नेता और ठेकेदार की बातचीत ऑडियो के रूप में लीक हो जाती है और घमासान मच जाता है। लीकेज के इस प्रकोप से हर कोई परेशान है। नेता परेशान हैं। अभिनेता परेशान हैं। अफसर परेशान हैं। कर्मचारी परेशान हैं। लीकेज किसी से रुक नहीं रही। नेताओं से नहीं रुक रही। अधिकारियों से नहीं रुक रही और यहां तक कि मुल्क की सरकार से भी नहीं रुक रही। अगर सरकार लीकेज रोकने बैठ जाती है तो बाकी के सारे काम धाम ठप हो जाते हैं और जब बाकी काम ठप हो जाते हैं तो विपक्ष को खामखा सरकार के कपड़े उतारने का मौका मिल जाता है। लीकेज की इतनी नई नई तरकीबें इजाद हो गई हैं कि बस पूछो मत! कोई स्टिंग ऑपरेशन के जरिए नेताओं के कारनामे लीक कर रहा है तो कोई सोशल मीडिया पर उनकी वीडियो आगे से आगे फॉरवर्ड कर रहा है। समोसे से लेकर जंगली मुर्गे तक के किस्से लीक हो जाते है।

कांग्रेस ने अव्यवहारिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का रचा था षड्यंत्र : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर बनाई गई समीक्षा कमेटी पर गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा क्षेत्र में अप्रासांगिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था, लेकिन भाजपा सरकार कांग्रेस की ऐसी व्यवस्था की जांच करवाकर हमारे बच्चों का बेस तैयार करने का काम करेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में केवल वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दी। लेकिन इन स्कूलों में ना तो इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की और ना ही अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति की। कांग्रेस ने दूर दराज के गांवों में चल रही हिंदी मीडियम स्कूलों को बंद कर अंग्रेजी में कर दिया जो कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था।

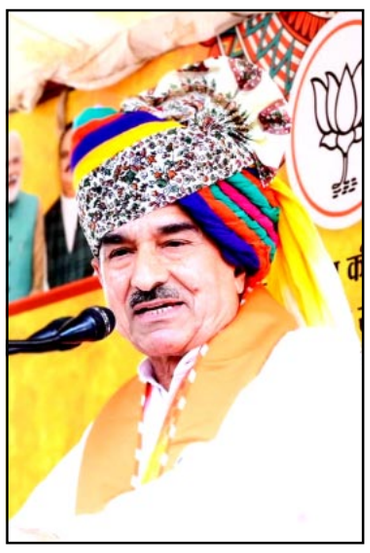

कांग्रेस ने हिंदी माध्यम के बच्चों तक के भविष्य की चिंता नहीं की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को हमारे बच्चों की चिंता होती तो स्कूलों में बच्चों का आधार मजबूत करने का काम करती और पहली कक्षा से अंग्रेजी का बेस मजबूत करती। अंग्रेजी अध्ययन के लिए ग्रामर और शब्दावली की आवश्यकता होती है लेकिन कांग्रेस ने बच्चों का ग्राउंड तैयार नहीं किया, बिना बेस के बच्चे सीधे हिंदी माध्यम विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया। ऐसे में हिंदी माध्यम में पढ़ने वाला बच्चा जब अंग्रेजी पुस्तके अध्ययन नहीं कर पाएगा तो निराश ही होगा। हिंदी मीडियम स्कूल को बंद करना कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था। कांग्रेस ने बिना चिंतन-मनन किए आनन-फानन में ऐसा फैसला कर दिया जो पूर्णतया अप्रासांगिक था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसे परिस्थिति को देखते हुए समीक्षा कमेटी का गठन किया है। कमेटी में यह तय किया जाएगा कि बच्चों का ग्राउंड कैसे मजबूत किया जाए और इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य व्यवस्थाएं कैसे मजबूत की जाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने महज एक साल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण फैसले किए है। भाजपा सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों में छात्राओं के प्रवेश के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित की, 37 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, 12 महाविद्यालयों को यूजी से पीजी में क्रमोन्नयन किया। सरकार ने 89 हजार विद्यार्थियों को टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन वितरित किए, 8.51 लाख साइकिल वितरित की, एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 514 करोड़ रुपए व्यय किए। इससे 2 लाख 50 हजार 415 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

मेडिकल कॉलेज में भी उपलब्ध होगी ऑर्गन ट्रांसप्लांट की नियमित सुविधा : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को सांसद सेवा केंद्र में जोधपुर एम्स और डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के साथ विशेष बैठककर चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में ऑर्गन किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था नियमित रूप से उपलब्ध कराने और एमडीएम अस्पताल के प्रसूति विभाग के समीप कॉटेज वार्ड की सुविधा सहित चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। शेखावत ने जोधपुर एम्स में 100 करोड़ की लागत से आवास बनाने के कार्य की भी समीक्षा की। जोधपुर एम्स में मरीजों के साथ आए परिजनों को रहने की दिक्कत होती है। उनके रहने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, इसके लिए समाजसेवी डीमार्ट के राधाकृष्ण दमानी ने 100 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने की सहमति दी है। शेखावत ने बताया कि आज डॉ. संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज की टीम और एम्स की टीम को साथ बैठाकर चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार और सुविधाओं को अपग्रेड करना पर विस्तार से चर्चा हुई है। जोधपुर एम्स के मार्गदर्शन में एसएन मेडिकल कॉलेज में ऑर्गन ट्रांसप्लांट किडनी ट्रांसप्लांट शुरू हो

सके, इसके लिए आज एक वार्ता सफलता के साथ पूरी कराई है। मेडिकल कॉलेज में भी किडनी ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया नियमित रूप से चलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एमडीएम अस्पताल के महिला एवं प्रसूति रोग विभाग के पास में कॉटेज वार्ड की सुविधा नहीं है। उम्मेद अस्पताल में बहुत सारे कॉटेज ऐतिहासिक रूप से बने हुए, लेकिन एमडीएम अस्पताल में सुविधा न होने के कारण से हमारी प्रसूता माता को निश्चित रूप से उसके कार्य से तकलीफ का सामना करना पड़ता है। शेखावत ने बताया कि हमने सीएसआर फंड में कुछ पैसा एकत्रित किया है। प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डॉ. बीएस जोधा के साथ बैठक करके वहां 20 कॉटेज वार्ड निर्मित करने की रूपरेखा तैयार की है।

हरियाणा को स्टार्टअप का अग्रणी हब बनाना सरकार की प्राथमिकता : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को स्टार्टअप के लिए एक अग्रणी हब के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा स्टार्टअप का एक प्रमुख केंद्र बने, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का ध्येय है कि मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के तहत देशभर में हरियाणा की एक अनूठी पहचान बने, जो न केवल आर्थिक विकास का माध्यम बने, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोले। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा के स्टार्टअप उद्यमियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी समय में हरियाणा में स्टार्टअप की संख्या 3 गुना बढ़नी चाहिए। इसके लिए आज हर सफल स्टार्टअप उद्यमी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह आगे 3 नए स्टार्टअप को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे। सैनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं बनाने पर विचार कर रही है ताकि युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए मार्गदर्शन और फंड की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने की जनसुनवाई

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार सुबह सांसद सेवा केंद्र में जनसुनवाई की। उन्होंने करीब सात घंटे से भी अधिक समय तक लोगों की समस्याओं को सुना और यथासम्भव निराकरण का प्रयास भी किया। सांसद सेवा केंद्र में दिनभर लोगों की भीड़ रही। उन्होंने कहा कि जब भी मैं जोधपुर आता हूं तो लोगों से इसी तरह से मिलना होता है। मेरे लिए लोगों की समस्याओं का समाधान करना प्रसन्नता का विषय है। साथ ही यह लोगों से मिलने का अवसर होता है।

अंग्रेजी मीडियम स्कूलों के रिव्यू की तैयारी को लेकर सियासी पारा गर्माया

जयपुर (हिंस)। नए जिलों और संभाग खत्म करने के बाद भजनलाल सरकार की ओर से अंग्रेजी मीडियम स्कूलों के रिव्यू की तैयारी को लेकर सियासी पारा गर्मा गया है। सरकार ने महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों का रिव्यू करने के लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में एक कैबिनेट सब कमेटी बनाई गई है। कमेटी में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा को मेंबर बनाया गया है। इसे लेकर अब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और पूर्व शिक्षा मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कांग्रेस के कई नेता आमने-सामने हो गए हैं। भाजपा नेताओं ने विपक्ष में रहने के दौरान अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर आपत्ति जताते हुए सरकार बनने पर उनका रिव्यू करने का ऐलान किया था। पिछली कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान खोले गए महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूलों पर खूब सियासी विवाद होता रहा है। भाजपा ने इन स्कूलों पर पहले भी सवाल उठाए थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि कांग्रेस की अपने राजनीतिक फायदे के लिए गलत एवं भ्रामक बयान देने की पुरानी आदत है। प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली कांग्रेस ने अपनी सरकार के दौरान अंग्रेजी शिक्षा के नाम पर सिर्फ बोर्ड लगाने का काम किया और छात्रों व अभिभावकों के साथ छलावा किया। कांग्रेस सरकार ने इन स्कूलों के लिए ना तो अंग्रेजी शिक्षकों की भर्ती की और ना ही इसके लिए बजट दिया। सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में बदलकर कांग्रेस ने इन स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र किया। दिलावर ने कहा कि भ्रष्ट्राचार की नई इबारत लिखने वाली कांग्रेस ने ट्रांसफर उद्योग एवं पेपर चोरी से शिक्षा के मंदिर को नाथी का बाड़ा बना दिया। हमारी सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में शिक्षा के बुनियादी स्तर में सुधार लाने के लिए तत्पर होकर कार्य कर रही है तथा हमारी प्राथमिकता प्रदेश के बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा देना है। मंत्रिमंडलीय कमेटी स्कूलों को मजबूत बनाने पर काम करेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस और गहलोत पहले यह बताए कि उन्होंने अपने कार्यकाल में शिक्षा के लिए क्या किया, अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की भर्ती क्यों नहीं की, अंग्रेजी स्कूलों के लिए संसाधन क्यों नहीं दिए? उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय 2013 से 2018 के बीच राजस्थान देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में दूसरे स्थान पर था, लेकिन कांग्रेस के भ्रष्ट्राचार और कुशासन ने इसे गर्त में धकेलने का काम किया। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के शिक्षा मंत्री केवल अपने बच्चों एवं चहेतों को फर्जी तरीके से नौकरियां दिलाने में व्यस्त रहे। दूसरी तरफ, अंग्रेजी मीडियम स्कूलों के रिव्यू के लिए कमेटी बनाने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने सरकार पर पलटवार किया है। गहलोत ने एक्स पर लिखा कि ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार ने सरकारी स्कूली शिक्षा को बर्बाद करने का संकल्प कर लिया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे प्रदेश को पीछे धकेलने का विजन बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नहीं चाहती कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करें। जबकि भाजपा नेताओं के बच्चे महंगे स्कूलों और विदेशों में पढ़ते हैं।

शुभम सिंह यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर बने प्रवर्तन अधिकारी, खुशी का माहौल

फतेहपुर (हिंस)। होनहार प्रतियोगी छात्र शुभम सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ईएफओ की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवर्तन अधिकारी पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया। शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम चिल्ली निवासी पूर्व प्रधान कमलेश कुमार के छोटे पुत्र शुभम सिंह ने महर्षि विद्या मंदिर इंटर कालेज फतेहपुर से हाईस्कूल, लक्ष्मी बाई इंटर कॉलेज लखनऊ से इंटरमीडिएट करने के बाद वहीं के रामस्वरूप इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल से बीटेक किया। वह संघ लोक सेवा आयोग 2022-23 की इएफओ परीक्षा के घोषित परिणाम में प्रवर्तन अधिकारी पद में चयनित हुए। जबकि शुभम सिंह वर्तमान में लखनऊ में सीजीएसटी इंस्पेक्टर के पद में कार्यरत है। प्रवर्तन अधिकारी बनने पर शुभम के बाबा पूर्व मंत्री इंद्रजीत कोरी, पिता पूर्व प्रधान कमलेश, माता प्रीति वर्मा आदि खुशी से गदगद है।

प्रकाश गुरुपर्व पर निकला नगर कीर्तन

जोधपुर (हिंस)। दसवीं पातशाही श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश गुरुपर्व के अवसर पर शनिवार को नगर कीर्तन निकाला गया। जोधपुर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कोऑर्डिनेटर सरदार दर्शन सिंह लौटे व सरदार कुलदीप सिंह सलूजा ने बताया कि गत 22 दिसंबर से आरंभ हुई लड़ीवार प्रभातफेरी के क्रम में शनिवार को सुबह अंतिम प्रभात फेरी का आयोजन किया। वहीं गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा के तत्वावधान में सवैरे अखंड पाठ आरंभ हुआ। दोपहर में सिंधी कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरुतेग बहादुर साहिब से गुरुग्रंथ साहिब की हजूरी व पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन (शोभायात्रा) आरंभ हुई जो सरदारपुरा सी, बी रोड व जलोरी गेट होते हुए गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा पहुंची। सेंट्रल कमेटी के कोऑर्डिनेटर सरदार दर्शन सिंह लौटे ने बताया कि प्रकाश गुरुपर्व पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में 5 जनवरी को शाम व 6 जनवरी को दोपहर का मुख्य दीवान व शाम को विशेष दीवान सजेंगे। बारह जनवरी को प्रकाश गुरुपर्व कैम्प गुरुद्वारा एयरफोर्स में तथा 19 जनवरी को गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब में गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश गुरुपर्व मनाया जाएगा।

किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी ने कलक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

फतेहपुर (हिंस)। जिले में शनिवार को किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी के सैकड़ों सदस्यों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर विरोध जताया और मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। समस्याओं का समाधान न किए जाने पर जिला प्रशासन को वृहद प्रदर्शन की चेतवानी दी। जिले भर से राष्ट्रवादी पार्टी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध-प्रदर्शन कर राजस्व कर्मचारियों के भ्रष्ट्राचार को उजागर कर उसमें लगाम लगाने की मांग की। राष्ट्रवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामकिशोर सिंह ने कहा अन्ना पशुओं से किसान बहुत परेशान है। डीएपी व यूरिया की कालाबाजारी रोककर खाद सस्ते दामों में उपलब्ध कराई जाए। डीजल व पेट्रोल के आसमान छूते दामों को कम किया जाए। राजस्व लेखपालों की किसानों से अवैध वसूली बंद की जाए, रसोई गैस सिलेंडरों के बढ़ते दामों सहित उज्ज्वला में नि:शुल्क सिलेंडर दिए जाएं वहीं विद्युत विभाग की गलत बिल भेजकर उसे सुधारने के नाम पर जिले भर में चल रही कर्मचारियों की वसूली बंद कराई जाए। वहीं राष्ट्रवादी पार्टी महिला मोर्चा की शशि राज सेन ने कहा महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था सरकार नहीं कर पा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को सिलेंडर बहुत महंगा पड़ रहा है आज भी घरों में सिलेंडर शोपीस बने हुए हैं। सरकार इन मुद्दों पर ध्यान दे, अन्यथा ग्रामीण महिलाएं रोड में आकर प्रदर्शन करेंगी। वहीं पुलिस वादी और प्रतिवादी दोनों से मात्र रुपए वसूलने का काम कर रही है।

सरकार बनते ही तीन माह के भीतर लगेंगी महात्मा गांधी की प्रतिमा : मनोज झा

अररिया (हिंस)। राजद के पूर्णिया प्रमंडलीय प्रभारी सह राज्यसभा सांसद मनोज झा शनिवार को अररिया पहुंचे, जहां राजद जिलाध्यक्ष मनीष यादव के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं ने फूल के बुके और माला पहनाकर स्वागत किया। सर्किट हाउस में मनोज झा ने प्रखंड और नगर कमिटी के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की और पार्टी के विचारों को आमजनों तक पहुंचाने की अपील की। सर्किट हाउस में राजद नेता मनोज झा ने प्रेस वार्ता की और बिहार के नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीमांचल से लेकर पूर्वांचल तक थानों में बिना रुपैया दिए मामला दर्ज नहीं किया जा रहा। बिहार में सरकार नाम की चीज नहीं रह गई। अफसरशाही बेलगाम है। जिला के अधिकारी अपने को सुपर मुख्यमंत्री और ब्लॉक लेवल के अधिकारी अपने को मुख्यमंत्री समझ बैठे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में सरकार नाम की चीज कोलैप्स कर गई है। मुख्यमंत्री को खुद नहीं पता है, वह क्या हैं और दो से तीन लोग राज्य को चला रहे हैं। झा ने कहा कि राज्य की जनता चाहती है कि तुरंत चुनाव हो और इन्हें गद्दी से उखाड़ फेंके। वहीं उन्होंने जन सुराज पार्टी के नेता प्रशान्त किशोर पर भी तीखा हमला किया। झा ने प्रशांत किशोर के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र नौजवान अगर कोई आंदोलन करता है तो वो विपक्षी दलों का समर्थन

चाहता है। वह ये नहीं चाहता कि उसका प्लेटफार्म हाइजैक कर लिया जाए। श्री झा ने कहा कि किसी भी आंदोलन को नैतिक समर्थन देने के लिए झंडा बैनर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने बीपीएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन को राजद का नैतिक समर्थन रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव कई योजनाओं पर काम कर रहे है जिसमें माई बहिन योजना, वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी, स्मार्ट मीटर से गरीबों को राहत, बेरोजगारों को नौकरी की गारंटी, छात्रों के लिए जिले में ही परीक्षा केंद्र शामिल है। श्री झा ने कहा कि तेजस्वी यादव की यह भी गारंटी है कि उनके आने के बाद किसी छात्र बेरोजगार पर लाठी चार्ज नहीं होगा। वही उन्होंने कहा कि शर्म की बात है कि भाजपा और जेडीयू के राज में अररिया में महात्मा गांधी की कोई प्रतिमा नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हम जानते है कि बापू के भजन से दिक्कत है, क्योंकि हमलोग बचपन से सुनते आए है रघुपति राघव राजा राम और इससे जिन्हें दिक्कत है उन्हें हम लोग गोडसे का ही अनुयाई मानेंगे। उन्होंने कहा कि यदि बिहार में उनकी सरकार बनी तो तीन माह के भीतर महात्मा गांधी की बड़ी प्रतिमा अररिया में लगाई जाएगी।

धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का बलिदान अविस्मरणीय : निखिल मदान

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के विधायक निखिल मदान ने सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर कहा कि मानव धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का बलिदान अविस्मरणीय है। समस्त मानव जाति के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनका जीवन अपने धर्म पर अडिग रहने, उसकी रक्षा करने, देशभक्ति और वीरता का उत्कृष्ट उदाहरण है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने मुगल शासकों से लड़ते हुए स्वयं और अपने चारों साहिबजादों को धर्म की रक्षा के लिए बलिदान कर दिया लेकिन धर्म बदलना स्वीकार नहीं किया। ऐसे महान योद्धा और गुरु को वो कोटि कोटि नमन करते है। विधायक मदान ने शनिवार को शहर के गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सुजान सिंह पार्क सोनीपत द्वारा निकाले गए नगर कीर्तन का सेक्टर कार्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और पालकी साहिब में पवित्र गुरु ग्रन्थ साहिब को नमन किया। साथ ही पंज प्यारों का भी स्वागत करके उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वाराविधायक निखिल मदान को सम्मान स्वरूप सिरोपा भेंट किया गया।

धर्मांतरण मामले में जेल में बंद मौलाना की जमानत पर मना जश्न

फतेहपुर (हिंस)। जिले में शनिवार को धर्मांतरण करवाने के मामले में तीन वर्ष पूर्व जेल भेजे गये मौलाना की जमानत के बाद समुदाय विशेष ने खुशी का इजहार कर जश्न मनाते हुए जोरदार स्वागत किया। गाजीपुर थाना व कस्बा की मस्जिद में मौलाना के रूप में रहने वाला मोहम्मद फिरोज आलम जो अपनी पहचान छिपाकर भारतीय पासपोर्ट, आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक अकाउंट, राशनकार्ड आदि बनवाकर धर्मांतरण करवाने के आरोप में तीन वर्ष पूर्व पुलिस ने जेल भेजने की कार्रवाई की थी। वह नेपाली मूल का व्यक्ति है, जो अपनी पहचान छिपा कर काफी समय से गाजीपुर कस्बे की मस्जिद में रहकर धर्मांतरण के कार्य में लिप्त था। जिसका हिंदू संगठनों ने विरोध करते हुए संदिग्ध व्यक्ति की पुलिस से शिकायत की थी। जिस पर गाजीपुर थाना पुलिस ने जांच के बाद कानूनी कार्रवाई कर जेल भेज दिया था। आज जब जमानत पर छूट कर मौलाना अपने समर्थकों के साथ गाजीपुर कस्बा पहुंचे, उनके स्वागत के लिए मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोग फूल-मालाओं से मौलाना के स्वागत में जमकर आतिशबाजी की और धार्मिक नारेबाजी भी की।

जब बिहार के लोगों ने हमें काम करने का मौका दिया तब राज्य की स्थिति बदली : नीतीश

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री ने आज शाम प्रगति यात्रा के दौरान गोपालगंज जिले की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जो भी समस्याएं रखी हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण करें। सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के लिए लगातार विकास का काम किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि जब बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया तब राज्य की स्थिति बदली है। हर क्षेत्र में विकास के काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके तहत अब तक 4 चुनाव हो गए हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर आई हैं। सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। बिहार में अब स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है, जिनसे 01 करोड़ 31 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 तक हमलोगों ने 8 लाख लोगों को सरकारी नौकरी प्रदान कर दी थी। इसके बाद हमलोगों ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे बढ़ाकर 12 लाख किया गया है। अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दे दी

गई है। इसके अलावा 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 24 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। वर्ष 2025 में 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आज ही गोपालगंज जिले में विभिन्न विकास कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। लोगों की समस्याएं सुनीं। इस बैठक में भी जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं बताई हैं, उसका समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। हमलोग मिलकर लगातार बिहार को आगे बढ़ा रहे हैं। हम दो बार गलती से इधर से उधर चले गए थे। अब हमलोग हमेशा साथ (राजग) रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे। वर्ष 2006 से हमलोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू कराई। अब तक 8 हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है और शेष बचे कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा रही है और इस काम को भी जल्द पूरा कर लिया जायेगा। हमलोगों ने देखा कि मंदिरों से मूर्ति चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इसको देखते हुए मंदिरों की चहारदीवारी के निर्माण का निर्णय लिया गया ताकि मंदिरों में चोरी की घटनाएं न हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि संपूर्ण बिहार में विकास का काम हमलोग करा रहे हैं। बिहार का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए पोशाक योजना की शुरुआत की गई। वर्ष 2009 से लड़कियों के लिए साइकिल योजना, वर्ष 2010 से लड़कों के लिए भी साइकिल योजना, बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की बहाली, स्कूल भवनों का निर्माण कराकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने जाते थे। अब एक माह में औसतन 11 हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।

कंपनी पर परिसमापन शुरू होने के बाद ईपीएफओ की कार्यवाही पर बंदिश नहीं : एनसीएलएटी

स्थगन के तहत संरक्षण मिलने के बाद ईपीएफओ कार्यवाही जारी नहीं रख सकता

नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के मुताबिक दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी भी कर्जदार कंपनी के खिलाफ परिसमापन प्रक्रिया शुरू होने के बाद ईपीएफओ एवं अन्य वैधानिक अधिकारियों की मूल्यांकन कार्यवाही पर कोई बंदिश नहीं है। हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि किसी ऋणग्रस्त कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू होने के बाद अगर उसे स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है, तो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ऐसी कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। ईपीएफओ की दो याचिकाओं को खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार जब किसी कंपनी को आईबीसी की धारा 14 (1) के प्रावधानों के अनुरूप स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है तो बकाया राशि के निर्धारण के लिए मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती है। एनसीएलएटी ने कहा कि हम मानते हैं कि धारा 14, उपधारा (1) के तहत स्थगन आने के बाद ईपीएफओ कोई मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। अगर परिसमापन का आदेश पारित होने के बाद धारा 33 की उपधारा (5) मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने या जारी रखने पर रोक नहीं लगाती है। इसने कहा कि स्थगन अवधि के दौरान किए गए मूल्यांकन के आधार पर कोई दावा कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत नहीं किया जा सकता है। हालांकि एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार परिसमापन का आदेश पारित हो जाने के बाद, धारा 14 के तहत स्थगन समाप्त हो जाता है और धारा 33(5) के तहत स्थगन, जिसे अलग तरीके से लिखा गया है, लागू हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। हालांकि, ये कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे नई दरों को जारी कर देती हैं। इन कंपनियों ने देश के चार महानगरों के साथ-साथ झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों के लिए भी कीमतें जारी की है। हालांकि दिल्ली और मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपेय प्रति लीटर और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

अप्रैल-दिसंबर 2024 में मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन बढ़ा, उत्पादन 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की एमओआईएल (मॉयल) का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्तवर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया। चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में मैंगनीज अयस्क की बिक्री भी एक साल पहले की अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत बढ़कर 11.39 टन हो गई। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में प्रदर्शन की बात करें तो मॉयल ने 13.3 लाख मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो 4.5 प्रतिशत अधिक है। मॉयल ने 11.39 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में की गई बिक्री की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया है क इस सार्वजनिक उपक्रम ने अपनी खोजपूर्ण कोर ड्रिलिंग में भी वृद्धि दर्ज की है जो 72,340 मीटर है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा समय में एमओआईएल महाराष्ट्र के नागपुर और भंडारा जिलों और मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित अपनी भूमिगत और खुली खदानों का संचालन करती है। कंपनी मैंगनीज अयस्क के विभिन्न ग्रेड का उत्पादन और बिक्री करती है।

अब सिर्फ 10वीं पास ही रेलवे के लेवल-1 पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने 'लेवल-1' (पूर्ववर्ती ग्रुप-डी) पदों पर भर्ती के लिए नये नियम बनाए हैं, जिसके मुताबिक दसवीं कक्षा पास उम्मीदवार या आईटीआई डिप्लोमा धारक या समकक्ष या राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) द्वारा प्रदान किया गया राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमाणपत्र (एनएसी) धारक लेवल-1 पदों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। इससे पहले तकनीकी विभागों के लिए आवेदक का दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना और एनएसी या आईटीआई डिप्लोमा होना आवश्यक था। बोर्ड की ओर से दो जनवरी को सभी रेलवे जोन को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि इस मुद्दे की समीक्षा की गई और पहले के निर्देशों को रद्द करते हुए यह निर्णय लिया गया। पत्र में कहा गया कि बोर्ड द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि लेवल-1 पदों (लेवल-1 भर्ती के लिए आगामी सीईएन सहित) में भविष्य की सभी भर्तियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण या आईटीआई या समकक्ष या एनसीवीटी द्वारा प्रदान किया गया एनएसी होगी। रेलवे भर्ती बोर्ड ने हाल ही में लेवल-1 पदों पर लगभग 32,000 उम्मीदवारों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया 23 जनवरी से 22 फरवरी तक चलेगी।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह रही बढ़त सेंसेक्स 79,223 पर बंद और निफ्टी 24,004 पर बंद

मुंबई

विदेशी निवेशकों की खरीदारी, मजबूत ऑटो बिक्री डेटा, बेहतर जीएसटी कलेक्शन के कारण घरेलू शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त का सिलसिला बरकरार रखा। हालांकि वैश्विक स्तर पर नकारात्मक रुख की वजह से कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार धराशायी हो गया। हालांकि इससे पहले दो दिन शेयर बाजार में नए साल का जश्न मनाया गया और इसमें तेजी बनी रही। शेयर बाजार के इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो साल के आखिरी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन घरेलू शेयर बाजार की धीमी शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 142.26 अंक गिरकर 78,556.81 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 पर बंद हुआ।

जबकि निफ्टी 48.35 अंक गिरकर 23,765.05 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार साल 2024 के आखिरी दिन गिरावट के साथ शुरू हो गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 468.14 अंक की गिरावट के साथ 77,779.99 अंक पर खुला और 109.12 अंक गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 117.05 अंक फिसलकर 23,527.85 अंक पर खुला और गिरावट के साथ ही बंद हुआ। नए साल 2025 के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी सपाट कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा रुपया भी सपाट खुला। सेंसेक्स 171.81 अंक की गिरावट के साथ 77,967.20 अंक पर खुला और 368.40 अंक चढ़कर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी सुस्त शुरुआत के बाद 46.4 अंक फिसलकर 23,598.40 अंक पर खुला और 98.10 अंक की बढ़त के साथ 23,742.90 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में साल के दूसरे दिन बंपर उछाल दिखा। सेंसेक्स 1,229.42 अंकों की बढ़त के साथ 79,759.48 के स्तर पर खुला और 1,436.30 अंक उछलकर 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 342.00 अंक चढ़कर 24,084.90 के स्तर पर खुला और 445.75 अंक बढ़कर 24,188.65 अंक पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को फर्मा और आईटी शेयरों में गिरावट के बाद सेंसेक्स 630.98 अंक गिरकर 79,324.35 पर खुला और 720.60 अंकों की गिरावट के साथ 79,223.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.75 अंकों की गिरावट के साथ 24,047.90 के स्तर पर खुला और 183.91 अंक टूटकर 24,004.75 पर बंद हुआ।

सीएसबी बैंक : गोल्ड लोन पर फोकस करके तैयार ग्रोथ की राह पर, 400 रुपए प्रति शेयर का लक्ष्य तय

नई दिल्ली। सीएसबी बैंक जो गोल्ड लोन के क्षेत्र में अपनी मजबूती दिखा रहा है। हाल ही में ब्रोकरेज फर्म आईसीआईआईआई डायरेक्ट रिसर्च ने इस बैंक की कवरेज शुरू की है और 400 रुपए प्रति शेयर का टार्गेट प्राइस निर्धारित किया है। बाजार की सिफारिशें इस नए प्लेयर को अच्छी प्रेरणा दे रही हैं। गोल्ड लोन के क्षेत्र में सीएसबी बैंक ने विशेषज्ञता दिखाई है और इसे मजबूत कारोबार दिखा रहा है। बैंक का लगभग 45 फीसदी कर्ज गोल्ड लोन से आता है, जो इसकी स्थिरता का बड़ा कारक है। इसके अलावा सीएसबी बैंक ने निगेटिव रिटर्न को सकारात्मक में बदलने के लिए बदली हुई रणनीति को अपनाया है। बैंक ने गोल्ड लोन में वृद्धि के साथ-साथ शानदार लोन ग्रोथ भी देखी है। वित्त वर्ष 25 की तिमही में गोल्ड लोन 36.3 फीसदी वृद्धि दर्ज करते हुए 13,018 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। बैंक की रणनीति है कि वह गोल्ड लोन के क्षेत्र में सालाना ग्रोथ में करीब 23 फीसदी तक की उम्मीद कर रहा है। इसके साथ ही बैंक ने अपने विस्तार पर जोर दिया है और नई शाखाओं की शुरुआत की है। आईसीआईसीआईआई डायरेक्ट के अनुसार, बैंक की एडवांस ग्रोथ में आने वाले सालों में लगभग 23-25 फीसरी सीएजीआर की सक्षमता है। इस स्थिति में निवेशकों को उम्मीद है कि यह बैंक आने वाले 6-12 महीनों में उन्हें लगभग 25 फीसदी तक का रिटर्न देगा। इससे इच्छुक निवेशक आसानी से उन्हें पूरी जानकारी और निर्णय लेने की सक्षमता मिलती है।

देश में 2030 तक 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन होगा शुरू

भारत की वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने साल 2030 तक देश में 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के उत्पादन शुरू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्त्वावधान में विस्तृत रणनीति रिपोर्ट तैयार करने के लिए सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और कंसल्टेंसी फर्म बेन ऐंड कंपनी से सहयोग लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में संचार मंत्री अश्विनी वैष्णन जारी कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्त्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। इलेक्ट्रॉनिक्स की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (जीवीसी) में भारत की भागीदारी सशक्त बनाने के लिए पिछले साल जुलाई में नीति आयोग ने अध्ययन किया था। इसमें यह कहा गया था कि यह महत्त्वाकांक्षी सपना साकार हो सकता है और इसमें कम से कम 200 अरब डॉलर निर्यात से आएंगे, जहां तैयार वस्तु और कलपुर्जे की प्रमुख भूमिका रहेगी। अध्ययन में इससे 55 से 60 लाख नौकरियां पैदा होने की भी संभावना भी है। अध्ययन में लक्ष्य को हासिल करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत हस्तक्षेप करने का भी सुझाव दिया गया है। अब मंत्रालय न केवल भारतीय बाजार के लिए बल्कि दुनिया भर में निर्यात के लिए पुर्जों की वृहद आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ इलेक्ट्रॉनिकी पुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को एक साथ लाने की तैयारी में है। लक्ष्य हासिल करने के लिए की गई खास चर्चा के आधार पर आने वाली रिपोर्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न क्षेत्र के लिए लक्ष्य तय किए जाने की उम्मीद है, जिसमें मोबाइल डिवाइस, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सर्वर, हियरेबल्स, वेयरेबल्स और चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी शामिल हैं।

अमेरिकन इंटरनेशनल मोटरसाइकिल सुपरशो

मिसिसॉगा, ओंटारियो, कनाडा में 2025 नॉर्थ अमेरिकन इंटरनेशनल मोटरसाइकिल सुपरशो के दौरान कस्टमाइज्ड मोटरसाइकिल को देखते लोग। सैकड़ों मोटरसाइकिलों की विशेषता वाला यह वार्षिक तीन दिवसीय कार्यक्रम शुक्रवार को यहां शुरू हुआ।

एनएसई के जरिए 268 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 1.67 लाख करोड़

पिछले साल आए 268 में से 90 मेनबोर्ड आईपीओ और 178 एसएमई के थे

मुंबई

पिछले वर्ष नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के जरिए 268 कंपनियों ने इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के द्वारा 1.67 लाख करोड़ रुपये की रशि जुटाई है। बताया गया है कि बीते वर्ष में दुनिया के किसी एक स्टॉक एक्सचेंजस के जरिए कंपनियों द्वारा पूंजी जुटाने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह जानकारी एक्सचेंज द्वारा दी गई। पिछले साल आए 268 आईपीओ में से 90 मेनबोर्ड आईपीओ और 178 एसएमई आईपीओ थे। 90 मेनबोर्ड आईपीओ (आरईआईटीएस, आईएनवीआईटीएस और एफपीओ) में कंपनियों ने 1.59 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 178 एसएमई आईपीओ में 7,349 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई है। 2024 में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) का 3.3 अरब डॉलर आईपीओ भारतीय शेयर बाजार और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ था। पिछले साल चीन के शंघाई स्टॉक एक्सचेंज पर 101 आईपीओ, जापान और हांगकांग के स्टॉक एक्सचेंज पर क्रमश: 93 और 66 आईपीओ आए थे। कंपनियों द्वारा 2024 में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) के माध्यम से 15.9 अरब डॉलर और शंघाई स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से 8.8 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई थी। 2024 में वैश्विक स्तर पर 1,145 आईपीओ आए थे।

एक साल पहले इनकी संख्या 1,271 थी। एनएसई के अनुसार दिसंबर तक पंजीकृत निवेशकों की कुल संख्या 21 करोड़ से अधिक थी। एनएसई के डेटा के मुताबिक वर्तमान में सभी राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 3.7 करोड़ से अधिक खाते हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 2.28 करोड़, गुजरात में 1.87 करोड़ और राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल प्रत्येक में 1.2 करोड़ से अधिक खाते हैं।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोना महंगा हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आई है। सोने की कीमत में 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये से लेकर 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये से लेकर 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

क्राइंट फ्यूचर टेक का आईपीओ अगले हफ्ते खुलेगा

नई दिल्ली। क्राइंट फ्यूचर टेक का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) अगले हफ्ते से सब्सक्राइब करने के लिए खुलने जा रहा है। यह कंपनी भारतीय रेलवे के लिए कवच बनाने का काम करती है। क्राइंट फ्यूचर का आईपीओ अप्लाई करने के लिए गुरुवार 9 जनवरी तक खुला रहेगा। क्राइंट फ्यूचर टेक ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 275 से 290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल में बोलियां लगा सकते हैं। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। यह आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़ रुपये का एक फ्रेश इश्यू है। इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, 23.61 करोड़ रुपये कंपनी द्वारा लिए गए वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी।

ह्यूबर्ट हर्काज़, स्विएटेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचाया

सिडनी

इगा स्विएटेक ने शनिवार को सिडनी में सेमीफाइनल मुकाबले में अपने सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक एलेना रयबाकिना पर कड़ी जीत के साथ पोलैंड को लगातार दूसरे यूनाइटेड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों और ग्रैंड स्लैम चैंपियन के बीच मुकाबले में, स्विएटेक ने कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को 7-6(5), 6-4 से हराया, जिससे 2024 के फाइनलिस्ट के लिए 2-0 की अजेय बढ़त हासिल हुई। इससे पहले, ह्यूबर्ट हर्काज़ ने अलेक्जेंडर शेवचेंको पर शानदार जीत के साथ पोलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाकर स्विएटेक के निर्णायक प्रदर्शन के लिए मंच तैयार किया।

एलेना रयबाकिना, उन कुछ खिलाड़ियों में से एक हैं जो लगातार पांच बार की प्रमुख चैंपियन स्विएटेक को चुनौती देती हैं, शनिवार के मैच में एक मजबूत रिकॉर्ड के साथ उतरीं, उन्होंने अपने पिछले छह मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की थी। 2022 विंबलडन चैंपियन ने शुरुआत में ही अपनी खास ताकत का प्रदर्शन किया, और 5-3 की बढ़त हासिल की, जबकि स्विएटेक कई फोरहैंड त्रुटियों से जूझ रही थीं।

चुनौतियों का सामना करते हुए, स्विएटेक ने अपनी लय पाई, रैलियों में गति बढ़ाई और खेल के अपने चौथे ब्रेक पॉइंट पर 5-5 से वापसी की। स्विएटेक ने फिर 6-5 पर दो सेट पॉइंट अर्जित किए, लेकिन राइबाकिना ने संघर्ष किया और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। टाई-ब्रेक एक बैक-एंड-फॉरवर्ड मामला था, जिसमें पहले आठ अंक रिटर्नर के पास गए। हालांकि, रयबाकिना की लगातार दो बैकहैंड त्रुटियों ने स्विएटेक को सेट पॉइंट की एक और जोड़ी दी। स्विएटेक ने आखिरकार अपने चौथे अवसर का फायदा उठाया, 72 मिनट के गहन खेल के बाद शुरुआती सेट को अपने पक्ष में समाप्त किया।

दूसरे सेट में स्विएटेक ने शुरुआती दो ब्रेक मौके गंवाए लेकिन लव ब्रेक के साथ नियंत्रण हासिल कर 4-3 की बढ़त बना ली। बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए स्विएटेक ने जीत हासिल करने से पहले अंतिम गेम में ब्रेक पॉइंट को रोका।

इससे पहले दिन में, ह्यूबर्ट हर्काज़ ने पोलैंड के दबदबे की नींव रखी, शुरुआती मैच में अलेक्जेंडर शेवचेंको पर 6-3, 6-2 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत ने यूनाइटेड कप में हर्काज़ के शानदार प्रदर्शन और जीत की लय को जारी रखा।

न्यूज ब्रीफ

लेब्रोन जेम्स ने माइकल जॉर्डन के सबसे ज़्यादा 30-पॉइंट गेम का रिकॉर्ड तोड़ा

लॉस एंजिल्स। लेब्रोन जेम्स ने शुक्रवार रात अटलांटा के खिलाफ लॉस एंजिल्स लेकर्स के मैच के दौरान माइकल जॉर्डन के 30 अंकों के एनबीए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। 5:58 मिनट शेष रहते जेम्स ने अपने करियर में 563वीं बार नियमित सत्र में कम से कम 30 अंक बनाए, जिसने 2003 में जॉर्डन द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया। जॉर्डन ने 15 सत्रों में 1,072 करियर खेलों में रिकॉर्ड बनाया, जबकि जेम्स ने 22 सत्रों में अपनी 1,523वीं उपस्थिति में यह रिकॉर्ड तोड़ा। जेम्स ने ओहियो के अक्रोन में अपने बचपन के दौरान जॉर्डन को अपना आदर्श माना, और जब उन्होंने मार्च 2019 में एनबीए की करियर स्कोरिंग सूची में जॉर्डन को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया, तो उस पल ने उन्हें लेकर्स की बेंच पर आंसू बहाए। संयोग से, जेम्स ने हॉक्स से लेकर्स की यात्रा के दौरान एनबीए के इतिहास में नियमित सत्र में खेले गए चौथे सबसे अधिक मैचों के डर्क नोविट्स्की (1,522) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। जेम्स पिछले सप्ताह 40 वर्ष के हो गए, और वे उन कुछ सक्रिय खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से जॉर्डन को 1990 के दशक में शिकागो बुल्स के साथ उनके शीर्ष पर देखा था। जेम्स ने एक रात पहले पोर्टलैंड के खिलाफ़ 38 अंक बनाए और जॉर्डन के 30 अंकों के निशान की बराबरी की। जेम्स ने पिछले 18 वर्षों में लगातार 1,253 खेलों में कम से कम 10 अंक बनाए हैं, जो जॉर्डन द्वारा 1986 से 2001 (866) तक बनाए गए रिकॉर्ड से आगे है।

बिग बैश लीग के दौरान चोटिल हुए बैनक्रॉफ्ट, नाक और कंधे में लगी चोट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैमरून बैनक्रॉफ्ट को बिग बैश लीग (बीबीएल) मैच के दौरान टीम के साथी डेनियल सैम्स के साथ हुई टक्कर में कंधे और नाक की हड्डी टूट गई। उनकी टीम सिडनी थंडर ने शनिवार को उक्त जानकारी दी। शुक्रवार को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैदान में कैच पकड़ने के दौरान हुई भिड़ंत के बाद बैनक्रॉफ्ट और सैम्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भिड़ने के बाद दोनों खिलाड़ी चोटिल हो गए और मैदान पर पड़े रहे। सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट खेले हैं और 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ के मामले में नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किए गए थे, उनकी नाक से खून बह रहा था। ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टी20 मैच खेल चुके सैम्स को अपने साथी 32 वर्षीय खिलाड़ी के साथ सिर टकराने के बाद स्ट्रेचर पर ले जाया गया। टीम ने एक बयान में कहा, सिर में चोट लगने के अलावा, बैनक्रॉफ्ट की नाक और दाहिने कंधे की हड्डी में भी फ्रैक्चर है।

डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली मियामी पुलिस के साथ कथित विवाद में गिरफ्तार

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली को मियामी पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया और उन पर मारपीट के आरोप लगाए। पुलिस के साथ झड़प के दौरान उन पर टेजर से हमला किया गया। 29 वर्षीय अमेरिकी धावक ने 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य और 2020 टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता। वह रिले और 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धाओं में पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। स्थानीय समाचार चैनल फॉक्स 7 न्यूज ने मियामी पुलिस के हवाले से कहा कि केर्ली सक्रिय जांच स्थल पर पहुंचे और प्रयासों में बाधा उत्पन्न की। उन्होंने अपनी कार के बारे में चिंता व्यक्त की जो पास में ही खड़ी थी। धावक को क्षेत्र खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मना कर दिया। पुलिस ने दावा किया कि वह आक्रामक हो गया और फिर उसने उसे बिजली के झटके दिए, यह बॉडी कैम फुटेज में देखा जा सकता है जिसे बाद में स्थानीय टीवी चैनलों पर दिखाया गया। पुलिस के एक बयान में कहा गया, स्थिति को शांत करने के अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद, प्रतिवादी ने लड़ाई का रुख अपनाया और उनके वैध आदेशों की अनदेखी करना जारी रखा। जब अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी को प्रभावी बनाने का प्रयास किया, तो उसने सक्रिय रूप से उनके प्रयासों का विरोध किया। नतीजतन, आपातकालीन बैक-अप का अनुरोध किया गया, एक डार्ट-फायरिंग स्टन गन को प्रभावी ढंग से तैनात किया गया, और प्रतिवादी को बिना किसी और घटना के गिरफ्तार कर लिया गया।

सिडनी टेस्ट

दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट, पंत का अर्धशतक

भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हुई

सिडनी

भारत ने यहां शनिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 8 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत के अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई और भारत को पहली पारी के आधार पर 4 रनों की बढ़त हासिल हुई।

दूसरी पारी में भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने मिचेल स्टॉर्क को पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। दोनों ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसी स्कोर पर बोलैंड ने केएल राहुल (13) को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल के आउट होने के बाद जायसवाल भी चलते बने। 47 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 59 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर बोलैंड का तीसरा शिकार बने। 78 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल वेबस्टर को बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे।

पंत ने 28 गेंदों में पूरा किया अपना अर्धशतक

दूसरी ओर पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करनी शुरु की और केवल 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अगली ही गेंद पर एक और जोरदार छक्का जड़ा। 124 के कुल स्कोर पर पैट कमिंस ने पंत की इस आतिशी पारी का अंत किया। पंत ने केवल 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाए।

पंत के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी भी कुछ खास नहीं कर सके और 129 के कुल स्कोर पर केवल 4 रन बनाकर बोलैंड का चौथा शिकार बने। इसके बाद सुंदर (नाबाद 6) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 8) ने दिन का खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। भारत की कुल बढ़त 145 रनों की हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में स्टॉक बोलैंड ने 4, पैट कमिंस और वेबस्टर ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी, ब्यू वेबस्टर का अर्धशतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमटी

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

बार्सिलोना के कोच फ्लिक ने ओल्मो और पॉ विक्टर के टीम में शामिल नहीं होने से जताई नाराजगी

मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने स्वीकार किया कि वह उस स्थिति से खुश नहीं हैं, जिसके कारण क्लब सीजन के दूसरे भाग के लिए स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डेनी ओल्मो और फॉरवर्ड पॉ विक्टर को पहली टीम में शामिल नहीं कर पाया है।

नए साल की पूर्वसंध्या से पहले वित्तीय निष्पक्ष खेल आवश्यकताओं को पूरा करने में बार्सिलोना की असमर्थता का मतलब था कि दोनों खिलाड़ियों को बार्का की पहली टीम के दल से हटा दिया गया था, नियमों के अनुसार एक खिलाड़ी को एक ही क्लब के साथ एक सत्र में दो बार पंजीकृत नहीं किया जा सकता है।

इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि ओल्मो एक मुफ्त हस्तांतरण पर क्लब से दूर जा सकते हैं, और हालांकि खिलाड़ी के एजेंट ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि उनका क्लब छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, जब तक कि स्पेनिश फुटबॉल महासंघ के लिए अपील सफल नहीं होती है।

शनिवार को कोपा डेल रे के तीसरे दौर के मुकाबले से पहले निचली लीग बारबास्ट्रो के खिलाफ़ होने वाले मैच से पहले कोच ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मैं इस स्थिति से खुश नहीं हूँ, लेकिन हालात ऐसे ही हैं और हम पेशेवर हैं। मैं फ़ुटबॉल पर ध्यान केंद्रित करता हूँ, हमें कोच बनना है और खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करना है – सभी को अपना काम करना है।

उन्होंने कहा कि वे क्लब के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं आशावादी हूँ, लेकिन अक्सर आपको निर्णय होने तक इंतज़ार करना पड़ता है। मुझे पूरा भरोसा है कि क्लब अपना काम करेगा।

फ्लिक ने प्रेस को बताया कि उन्होंने ओल्मो और विक्टर से भी बात की है, उन्होंने कहा, यह आसान स्थिति नहीं है, लेकिन वे दोनों बार्सा के लिए खेलना चाहते हैं और वे हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यूनाइटेड कप टेनिस

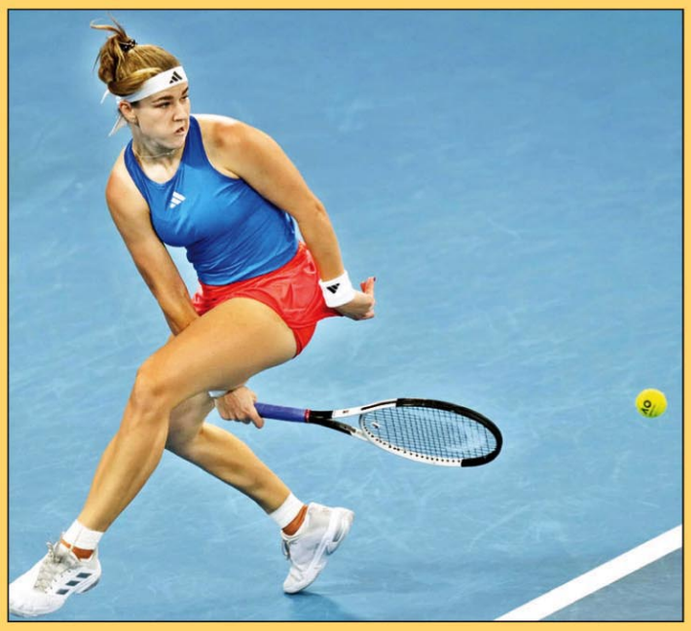

चेकिया की कैरोलिना मुचोवा ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान इटली की जैस्मीन पाओलिनी के लिए अपने पैरों के बीच एक शॉट खेला।

लीजेंड 90 लीग: हरियाणा ग्लेडिएटर्स में शामिल हुए हरभजन सिंह

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडिएटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन का अनुभव निश्चित तौर पर ग्लेडिएटर्स के बहुत काम आने वाला है। इसके अलावा टीम में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को भी शामिल किया गया है।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है।

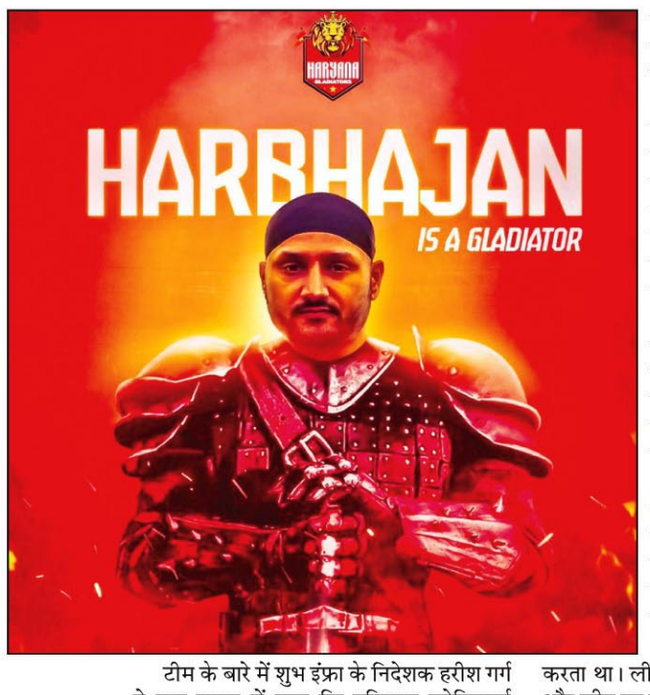

टीम के बारे में शुभ इंफ्रा के निदेशक हरीश गर्ग ने एक बयान में कहा कि हरियाणा ग्लेडिएटर्स साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के मूल्यों पर बनी है। हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हरभजन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी के नेतृत्व में हमारी टीम सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी।

शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है।

इससे पहले पिछले महीने हरियाणा ग्लेडिएटर्स ने अपनी टीम के लोगो का अनावरण किया था। दहाड़ते हुए शेर से सजा लोगो साहस, शक्ति और लचीलेपन की शानदार छवि दर्शाता है।

लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है, जो न केवल क्रिकेट को नए तौर पर परिभाषित करता है, बल्कि क्रिकेट के पूर्व दिग्गजों का ऐसा उत्सव है, जो उन्हें फिर से उसी गौरव का अनुभव कराता है, जो कभी हुआ करता था। लीग में 7 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है, निश्चित तौर पर यह प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होने वाला है।

मेहदी हसन ने बांग्लादेश टी-20 टीम की कप्तानी के लिए पेश की दावेदारी

ढाका

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी मेहदी हसन ने टी-20 कप्तानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि अगर मौका मिलता है तो वह इसका लुत्फ उठाने के लिए तैयार हैं।

यह घोषणा बीसीबी अध्यक्ष फारुक अहमद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे नए टी-20 कप्तान की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि नजमुल हुसैन सबसे छोटे प्रारूप में टीम का नेतृत्व नहीं करना चाहते हैं।

फारूक ने शुक्रवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, चोट के कारण शांतो टीम से बाहर हो गए हैं और अगर वह वापस आते हैं तो वह कप्तान (टेस्ट और वनडे में) के रूप में वापसी करेंगे। उन्होंने हमें बताया कि वह टी-20 कप्तान के रूप में सहज नहीं हैं और हम इस पद के लिए किसी और के बारे में सोच रहे हैं। चूंकि हमें छह महीने बाद टी-20 खेलना है, इसलिए यह तत्काल मुद्दा नहीं है और हम इसके बारे में बाद में सोच सकते हैं, इसलिए हम इसके लिए इंतजार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा सोचता हूं कि कप्तानी करने वाले क्रिकेट दिमाग और फॉर्म के बीच कोई संबंध नहीं है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक फॉर्म में नहीं है तो यह चिंता का विषय है। हालांकि वह (लिटन) कप्तान के रूप में फॉर्म में नहीं आ सके, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और यह एक कप्तान का सबसे बड़ा गुण है कि उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उनकी कप्तानी को प्रभावित नहीं कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ही फॉर्म में लौट आएंगे और जब हम कप्तानी के बारे में बात करेंगे तो वह सबसे आगे होंगे।

जब फारुक एसबीएनएस प्रेस बॉक्स में अचानक आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे, तब मेहदी हसन, जिन्होंने वेस्टइंडीज में टेस्ट और वनडे में अंतरिम कप्तान की भूमिका निभाई थी, क्योंकि नजमुल चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे, ढाका कैपिटल्स के खिलाफ खुलना टाइगर्स की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने अपने मैन-ऑफ-द-मैच प्रदर्शन के साथ अपनी टीम को 20 रन से जीत दिलाने में मदद की - अपने चार ओवरों में छह रन देकर तीन विकेट चटकाए।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह टी20 कप्तानी के लिए तैयार हैं, तो मेहदी इस संभावना से उत्साहित दिखे।

मेहदी ने कहा, देखिए, जब अवसर आता है तो उसका आनंद लेना महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि मैंने वेस्टइंडीज में भी कप्तानी की है और यहां भी कर रहा हूं और यह (टीम का नेतृत्व करना) मेरे लिए नया नहीं है। कप्तानी करना एक आदत की तरह है और अगर आप लंबे समय तक अंतराल देते हैं तो आपको निर्णय लेने में थोड़ा अधिक सोचना पड़ सकता है, लेकिन अगर आप इसमें बने रहते हैं (कप्तानी करते हैं) तो आप कुछ अच्छे निर्णय ले सकते हैं जैसे कि आप सुधार कर सकते हैं, आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं हमेशा इसका (कप्तानी) आनंद लेने की कोशिश करता हूं।

उन्होंने कहा, टी20 में आपको बहुत जल्दी निर्णय लेने होते हैं और आईसीसी के नए नियमों के अनुसार एक मिनट के भीतर ओवर बदलना और गेंदबाजी शुरू करना मुश्किल है, जैसे कि आपको फील्ड सेट करने में बहुत समय लगता है और ऐसा करना मुश्किल है और इसलिए जल्दी से निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, देखिए टी20 कप्तानी पूरी तरह से बोर्ड का निर्णय है और एक बात यह है कि चूंकि मैं बीपीएल में कप्तानी कर रहा हूं और अगर बोर्ड को लगता है कि वे मुझे कप्तानी दे देंगे या उनके पास कोई बेहतर (विकल्प) है जैसे कि लिटन दास ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन किया और टीम ने अच्छा प्रदर्शन भी किया, इसलिए निर्णय पूरी तरह से बोर्ड पर निर्भर करता है, लेकिन हां, चूंकि मैं बीपीएल में कप्तानी कर रहा हूं, इसलिए यह एक आदत बन गई है और इससे मुझे भविष्य में मदद मिलेगी।

सौंदर्य टिप्स

ये 5 टिप्स हमेशा के लिए खत्म कर देंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे काले घेरे आपका पूरा लुक खराब कर देते हैं. स्ट्रेस, कम नींद, धूप में बिना चश्मे के निकलना, एजिंग और जेनेटिक ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से डार्क सर्कल्स होते हैं. इन्हें ठीक करने के लिए आपने कई नुस्खे आज़माएं होंगे, लेकिन यहां आपको वो कारगर तरीके बता रहे हैं जिन्हें आज़मा कर आपकी आंखो के काले धब्बे हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे.

1. आई पैक

आलू को कद्दूकस कर इसका जूस निकालें और इसमें रूई को डिबोकर आंखों पर रखें. इसके अलावा आप ग्रीन टी बैग्स को आंखों पर रख सकते हैं. इसके लिए गरम पानी में ग्रीन टी बैग्स को एक बार डालें, फिर इन्हें फ्रिज़ में 20 मिनट के लिए रख दें. इन ठंडे टी बैग्स को रात को सोते समय आंखों पर रखें और रिलैक्स करें.

2. सनस्क्रीन लगाएं

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए सबसे ज़रूरी है कि धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाकर निकलें. आंखों पर डाइरेक्ट धूप लगने से मेलनिन प्रोडक्शन में बढ़ावा होता है, जो आंखों की आस-पास वाली स्किन को काली बनाती है. इसीलिए ज़रूरी है कि ज़िंक ऑक्साइड और टाइटैनियम डाइक्सॉइड से भरपूर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें.

3. आई मसाज

रोज़ाना रात को सोने से पहले दो बूंद बादाम का तेल लें और इससे हल्के हाथों से आंखों की मसाज करें. मसाज हमेशा हाथों की बीच की दो अंगुलियों से ही करें.

4. आंखों को धोएं

रोज़ाना घर पहुंचते ही हाथ-मुंह धोने के साथ-साथ आंखों को भी धोएं. सबसे पहले गुनगुने पानी से आंखों को क्लीन करें और फिर ठंडा पानी आंखों पर मारें. इससे आंखों की दिनभर की थकान कम होगी और ब्लड फ्लो बेहतर होगा.

5. ज़रूरी टिप्स

दिन भर में 8 से 10 लीटर पानी पिएं. 7 से 8 घंटे की नींद लें. आंखों को कभी भी टाइट ना रगड़ें. अगर आई साइट वीक है तो चश्मा लगाकर काम करें और आई मसल्स वीक हैं तो एंटी-ग्लेयर लगाकर काम करें. 1 घंटे से ज़्यादा टीवी ना देखें. स्मोकिंग से बचें और स्ट्रेस कम लें. क्योंकि चिंता सबसे पहले आंखों के नीचे काले घेरे लेकर आती है.

हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है गाय का दूध

गाय का दूध सेहत के लिहाज से बेहद स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। गाय का दूध प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत होता है।

इसके अलावा इसमें विटमिन बी 2 और विटमिन बी 12 भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। ये दोनों विटमिन शरीर को ऊर्जान्वित रखने में मदद करते हैं। शरीर में मसल्स और ऊतकों के निर्माण में भी यह बेहद लाभदायक होता है।

यह कैंसर, एचआईवी, दिल संबंधी बीमारियां, हाई ब्लडप्रेशर और माइग्रेन जैसी समस्याओं से बचाव करने में भी सक्षम है। शरीर को संपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करने वाले इस दूध के और भी बहुत सारे फायदे होते हैं। तो चलिए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता

गाय के दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ विटमिन ई, सेलेनियम, जिंक आदि भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा रोग में लाभकारी

गाय का दूध त्वचा के रोमछिद्रों को सिकोड़कर छोटा कर देता है। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या से निजात मिलती है। रूखी और बेजान त्वचा के लिए भी गाय का दूध काफी लाभदायक होता है।

वजन कम करने में उपयोगी

गाय का दूध पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन भी होता है जो वर्कआउट के लिए आपको पर्याप्त ऊर्जा मुहैया कराता है।

दिमाग-आंखों के लिए फायदेमंद

बच्चों के दिमाग का विकास करने के लिए उन्हें नियमित रूप से गाय का दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा इस दूध में पाया जाने वाला कैरोटिन आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।

जानिए संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में

सर्दियां आते ही बाज़ार में आ जाते हैं ताज़े संतरे. जिसे आप और हम कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं. कोई सुबह जूस की तरह पीता है तो कई इसे शाम के ब्रेक में खाना पसंद करता है. विटामिन सी, ए, अमिनो एसिड, बी कॉम्प्लेक्स, फ्लेवोनॉयड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम जैसे मिनरल्स से भरे इस फल को खाने के कई फायदे होते हैं. सिर्फ एक दिन में एक संतरा शरीर को कई बीमारियों से बचा कर रखता है. यहां आपको संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं.

1. ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

ब्लड प्रेशर को लो होने से बचाने के लिए सबसे ज़रूरी है सोडियम की मात्रा को बैलेस रखना. संतरा सोडियम की मात्रा को नॉर्मल रख ब्लड प्रेशर को सही रखता है. इसीलिए जिसे भी हाई या लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो वो अपनी डाइट में संतरा ज़रूर शामिल करें.

2. कैंसर से बचाए

विटामिन सी से भरपूर संतरा शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री-रैडिक्लस से सुरक्षित रखता है. साथ ही इसमें पाया जाने वाला लाइमोनिन कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है. मैंडरिन संतरे में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है. जापान में हुई एक स्टडी के मुताबिक मैंडरिन संतरा लिवर कैंसर होने के खतरे को कम करता है.

3. किडनी पथरी से रखे सेफ

रोज़ाना संतरे का सेवन किडनी में होने वाली पथरी के खतरे को कम करता है. इसीलिए आप संतरे को रोज़ाना अपनी डाइट में शामिल करें. पथरी के लिए संतरे को लिक्विड रूप में पीएं ज़्यादा फायदा होगा.

4. बवासीर में दिलाए आराम

संतरा पेट के अल्सर को खत्म करता है और बवासीर में राहत दिलाता है. इसके लिए रोज़ाना खाना खाने के बाद एक ग्लास संतरे का जूस पीएं. बवासीर के मरीज़ संतरे के छिल्के के पाउडर को भी पानी में मिला कर पी सकते हैं.

5. सर्दी-जुकाम करे छुमंतर

संतरे में मौजूद विटामिन सी सर्दी-जुकाम में राहत दिलाता है. लोगों का ऐसा मानना है कि संतरे की तासीर ठंडी होती है इसीलिए इसे सर्दी-खांसी में नहीं खाना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होता है. बल्कि संतरा या विटामिन सी वाले सभी फल सर्दी में राहत दिलाते हैं.

घर संसार

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्स्पेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुठ चिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

1. सीप रखें

एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।

2. टायर पॉट

पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अल ही लुक देंगे।

3. वॉलपेपर

दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैंटर्न्स मिल जाएगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।

4. शंकु देंगे विन्टेज लुक

यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।

5. हैंगिंग पौधे

छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।

6. पुरानी चीजें, नया लुक

कुछ पुराने कन्टेनर्स जैसे मग, वॉटर केन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।

7. गार्डन में पोन्ड

गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

ट्रेडमिल पर दौड़ते समय रखें इन बातों का ध्यान

बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए अकसर ट्रेडमिल पर चलने व दौ?ने की सलाह दी जाती है। ट्रेडमिल जिम में आसानी से मिलने वाली एक मशीन है, जो वजन कम करने के साथ ही शारीरिक तौर पर कई बदलाव लाती है। वजन कम करने के अलावा इस मशीन से दिल बेहतर काम करता है। शरीर में सकारात्मक बदलाव आते हैं, पर एक छोटी-सी लापरवाही समस्याओं को बढ़ा भी सकती है।

ट्रेडमिल के लाभ

▸▸ हृदय संबंधी गतिविधियों यानी कार्डियो वैस्कुलर एक्टिविटीज को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

▸▸ पर्वतारोही पहाड़ों पर चढ़ाई से पहले इस पर प्रैक्टिस कर अपनी रफ्तार और पैरों की पकड़ को मजबूत बनाते हैं। पिंडलियों की मांसपेशियां भी मजबूत बनती हैं।

कैलरी खपत में भी ये मशीन मदद करती है। तनाव कम करने में भी सहायक होती है।

सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो

अगर सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो इंस्ट्रक्टर को बताएं। उसी के निर्देशों का पालन करें। गोल्ड जिम के मैनेजर और इंस्ट्रक्टर विनीत कपूर बताते हैं, ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने से पहले उसकी स्पीड और दौड़ने के तरीके के बारे में जान लें।

▸▸ मधुमेह रोगियों को ट्रेडमिल पर दौड़ने या बहुत तेज चलने से बचना चाहिए। घुटने या पैरों में चोट या दर्द है तो दूर रहना बेहतर होगा।

▸▸ ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी ट्रेडमिल पर दौड़ने से बचने की सलाह दी जाती है। हृदय कमजोर है तो भी परहेज करें।

▸▸ माइग्रेन या सिर से जुड़ी समस्या होने पर विशेषज्ञों की राय ले लें। बहुत दुबले लोगों को कम स्पीड पर अभ्यास करना चाहिए। अगर इनमें से किसी तरह की दिक्कत नहीं है तो ट्रेडमिल पर अभ्यास करना सही रहेगा।

इन बातों पर करें गौर

▸▸ पानी की बोतल जरूर पास रखें। पसीना ज्यादा आने पर बीच-बीच में कुछ पानी पीते रहें, ताकि डीहाइड्रेशन न हो।

▸▸ शुरुआत में मशीन की रफ्तार कम रखें। धीरे-धीरे ब?एं।

▸▸ वजन कम करना है तो कम से कम 20 मिनट जरूर चलें।

▸▸ मशीन में दिए इमरजेंसी स्टॉपर क्लिप को कपड़े से लगाकर रखें। अगर गति नियंत्रण से बाहर होती है तो ये क्लिप उसको ऑटोमैटिक बंद कर सकता है।

▸▸ ट्रेडमिल पर नंगे पांव न दौड़ें। पैर फिसलने पर गंभीर चोटें आ सकती हैं।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते समय एक्स्ट्रा पैडिंग वाले जूते पहनें, पैर में मोच नहीं आती। चलते वक्त नीचे पांव की ओर न देखें। गति बेकाबू हो सकती है।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते वक्त हैंडरेल को न पकड़ें। इससे बांहों में दर्द हो सकता है।

▸▸ ट्रेडमिल की रफ्तार धड़कनों की गति ध्यान रखकर बढ़ाएं। बहुत अधिक रफ्तार बढ़ाना हृदय पर भारी पड़ सकता है।

▸▸ मशीन पूरी तरह से रुकने पर ही मशीन से नीचे उतरें।

▸▸ घुटनों में दर्द है तो पहले विशेषज्ञ से बात कर लें।

▸▸ ट्रेडमिल पर दौड़ते समय सेफ्टी बार को पकड़कर ना रखें। पॉस्चर बिगड़ सकता है।

अंदरूनी चोट के दर्द को राई से करें दूर

आजकल हर किसी की लाइफस्टाइल बहुत व्यस्त हो गई है। हर कोई चाहता है कि उसका काम जल्दी से निपट जाए लेकिन कई बार हड़बड़ाहट में चोट भी लग जाती है। बाहर से दिखाई देने वाली चोट के जख्म तो जल्दी भर जाते हैं लेकिन कई बार शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट लग जाती है। जो दिखाई नहीं देती लेकिन दर्द बहुत करती हैं। कई बार तो इस चोट का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है लेकिन घरेलू इलाज से इस परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। राई खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए राई का इस्तेमाल बेहद

लाभकारी है। राई को सरसों के नाम से भी जाना जाता है।

इस तरह करें राई का इस्तेमाल : राई में एंटीऑक्सिडेंट, सेलेनियम और मैग्निश्यम भरपूर मात्रा में होते हैं। चोट लगने पर राई को पानी में भिगोकर इसका पतला पेस्ट तैयार कर लें। इसे चोट वाली जगह पर लेप कर लें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा पानी में राई के दाने उबालकर इस पानी में कॉटन का कपड़ा भिगोकर चोट वाली जगह पर थपथपाएं। ऐसा करने से दर्द बहुत कम हो जाएगा। इसके साथ ही खाने में भी राई का इस्तेमाल करें। छौक लगाने,स्वाद,अचार आदि तरीको से राई खा सकते हैं।

घबराहट होने पर लाभकारी है राई : राई के छोटे-छोटे दाने सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। घबराहट होने पर हाथ की हथेलियों और पैरों के तलवों पर राई को रगड़ें। इससे बहुत आराम मिलता है।

रेसिपी

खट्टे बैंगन की सब्जी

5-6 लंबे बैंगन, दो कटे हुए प्याज, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, एक दालचीनी, एक बड़ा चम्मच जीरा, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चमच कश्मीरी लील मिर्च, एक छोटा चम्मच हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, एक बड़ा चमच सोंठ, एक बड़ा चम्मच सौंफ, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक बनाने की

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें दालचीनी, जीरा, इलायची पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा पानी डाल दें। जिससे कि मासला जले न। जब यह तेल छोड़ने लगें तो इसमें सोंठ डाल दें और कम से कम 2 मिनट पकाएं इसके बाद इसमें प्याज और बैंगन डालकर अच्छी करह से फ्राई करके कम से कम 20 मिनट के लिए ढक्कन बंद कर दें। 20 मिनट बाद इसमें टमाटर, सौंफ और थोड़ा सा पानी डालें। अब टमाटर पकने दें। जब टमाटर पक जाए और गाढ़ी सी ग्रेवी तैयार हो जाए। तब आंच बंद कर दें। आपकी कश्मीरी खट्टे बैंगन की सजी बनकर तैयार है। इसमें नींबू डालकर गर्मागर्म रोची के साथ सर्व करें।

वेज उपमा

सामग्री

पानी: 660 मिलीलीटर
गाजर- 75 ग्राम हरे मटर: 40 ग्राम
ग्रीन बीन्स: 35 ग्राम घी: 1 बड़ा चम्मच
सरसों के बीज: 1/2 चम्मच करी पत्ते: 7-8 : प्याज: 75 ग्राम सूजी: 100 ग्रामहरी मिर्च : 1 चम्मच नमक: 1 चम्मच
धनिया : 1 बड़ा चम्मच

विधि

डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें 660 मिलीलीटर पानी, 75 ग्राम गाजर, 40 ग्राम हरे मटर, 35 ग्राम ग्रीन बीन्स डालकर उबाल लें। अब एक डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें आधा चम्मच सरसों के बीज, 7-8 करी पत्ता डालें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर इसमें 75 ग्राम प्याज डालकर फाई करें, जब तक वह हल्के ब्राउन न हो जाए। अब इसमें 100 ग्राम सूजी डालें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। इसमें 1 हरी मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें उबली हुई सब्जियां, 1 चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच धनिया डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इसे 3-5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। कभी-कभी इसे हिलाते रहें। जब यह गाढ़ा हो जाए तो आंच से उतार लें और सर्व करें

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**